माघ कृष्ण पक्ष -9, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 189 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
12 जनवरी 2026 सोमवार

आज का मौसम
26.8 अधिकतम
9.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-7

## न्यूज विंडो

### ईरान विरोधी रैली में घुसे ट्रक ने लोगों को रौंदा

**वाशिंगटन।** ईरान में बड़े स्तर पर जारी सरकार विरोधी प्रदर्शन में अब तक 500 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान को कार्रवाई की चेतावनी दे रहे हैं। इस बीच अमेरिका के लॉस एंजेलिस से बड़ी खबर सामने आई है। यहां एक रैली के दौरान एक ट्रक ने कई लोगों को कुचल दिया। घटना उस वक्त हुई जब ईरान के निर्वासित काउन प्रिंस मोहम्मद रेजा पहलवी के समर्थक ईरान में जारी प्रदर्शनकारियों के समर्थन में सड़कों पर उतरे थे।

### आग से बच्चे की मौत, 8 लोग राख के ढेर में दबे

**अर्की (सोलन)।** हिमाचल प्रदेश के सोलन जिला के अर्की कस्बे में आज तड़के दिल दहला देने वाली घटना ने सबको झकझोर दिया है। अग्निकांड में एक बच्चे की मौत हो गई है, जबकि आठ लोगों के अंदर फंसे होने की सूचना है। एसडीआरएफ को बचाव कार्य के लिए बुलाया गया है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। प्रियांश नाम के बच्चे की मौत हो गई व दो लोगों को रेस्क्यू किया है। घायलों को सिविल अस्पताल अर्की में उपचाराधीन किया गया है। बताया जा रहा है एक पुराना लकड़ी का घर था, जिसमें से चिंगारी भड़की। इसके बाद सिलेंडर फटने से स्थिति बिगड़ गई व सात से आठ घरों को अपनी चपेट में ले लिया।

### खामेनेई विरोधी आंदोलन के बीच भारतीय गिरफ्तार!

**तेहरान।** ईरान की जनता सड़कों पर है। खामेनेई सरकार के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन कर रही है। बढ़ती महंगाई, खराब अर्थव्यवस्था और गिरते मुद्रा के स्तर के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और भारी तादाद में लोग सड़कों पर आकर सरकार विरोधी नारेबाजी कर रहे हैं। सत्ता विरोधी आंदोलन में अब तक 500 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच दावा किया गया कि ईरान की पुलिस ने कई भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया है।

### आज का कार्टून

ईरान में भड़क उठी खामेनेई के खिलाफ आग

## यूरोपियन यूनियन के साथ 27 जनवरी को होना है शिखर सम्मेलन

# यूरोप से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के साथ डॉलर की बादशाहत पर प्रहार

### भारत ने बनाया जर्मनी, फ्रांस, पोलैंड का कूटनीतिक त्रिकोण

### बदलती जियो-पॉलिटिक्स में दुनिया के लिए बड़ा संदेश

**नईदिल्ली, एजेंसी**

अमेरिका के साथ ट्रेड डील अधर में होने के बीच भारत के सामने यूरोप का एक अच्छा विकल्प उभर कर सामने आ रहा है। आने वाले दिनों में खास यूरोपीय शक्तियों के साथ भारत के रिश्तों में नई गर्माहट आने के संकेत हैं। यूरोपीय देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) को अमली जामा पहनाने से पहले भारत जर्मनी, फ्रांस और पोलैंड के साथ अपने रिश्तों को नई धार देने का काम शुरू कर चुका है। इस पूरी कवायद के पीछे व्यापार में अमेरिका के डॉलर की बादशाहत खत्म करने की योजना शामिल है।

इस हफ्ते तीन प्रमुख यूरोपीय देशों जर्मनी, फ्रांस और पोलैंड के नेताओं की हाई-प्रोफाइल यात्राएं हो रही हैं। इनमें से जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की पहली भारत यात्रा यात्रा शुरू हो चुकी है। आज ही फ्रांस के डिप्लोमेटिक एडवाइजर और जी20 के शेरपा इमैनुएल बोन भी भारत पहुँच रहे हैं। जर्मनी और फ्रांस के नेताओं की भारत यात्राओं के तुरंत बाद ही पोलैंड के विदेश मंत्री रैडोस्लाव सिकोर्स्की के आने का कार्यक्रम है। यूरोपियन यूनियन की जीडीपी में इन तीनों देशों की हिस्सेदारी लगभग आधी है, जिसमें जर्मनी सबसे आगे है और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके बाद भारत का स्थान है। यूरोपीय यूनियन के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते से पहले जर्मन चांसलर की भारत यात्रा का एक बड़ा मकसद ये है कि वह अपने व्यापारिक रिश्ते को ज्यादा विस्तार देना चाहता है। अगले महीने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों एआई इम्पैक्ट समिट के लिए भारत आने वाले हैं।

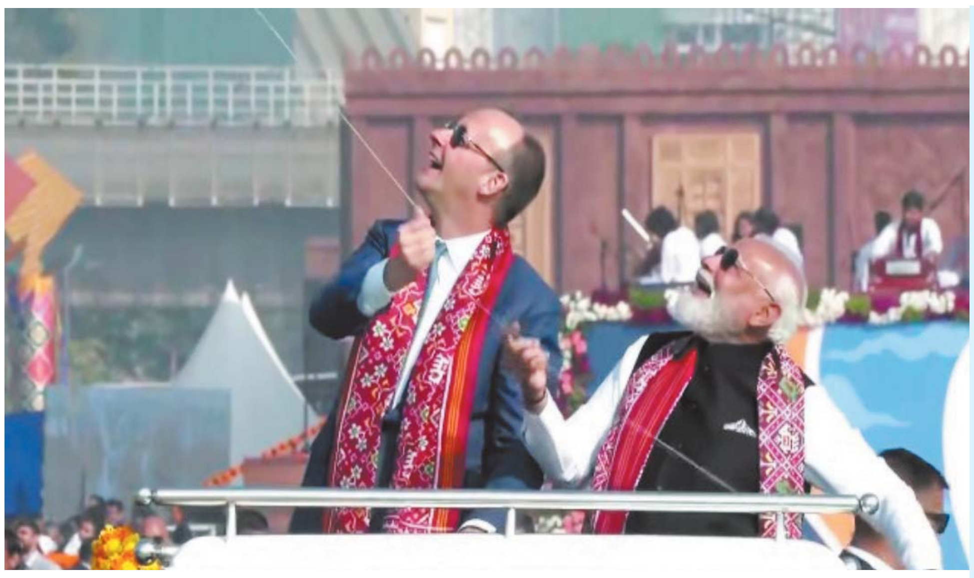

जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज द्विपक्षीय वार्ता के लिए भारत पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अहमदाबाद में उनके साथ पतंगबाजी का लुत्फ उठाया

### पतंग महोत्सव का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय गुजरात दौरे पर हैं। आज सुबह जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज भी भारत पहुंचे। यहां उन्होंने अहमदाबाद में पीएम मोदी से मुलाकात की। इसके साथ ही पीएम के साथ मिलकर साबरमती रिवरफ्रंट में अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2026 का उद्घाटन किया। इस मौके पर दोनों नेताओं ने पतंग उड़ाई। अहमदाबाद के इस महोत्सव में 50 देशों के 135 अंतरराष्ट्रीय पतंगबाजों ने भाग लिया, जिनमें चिली, कोलंबिया और दक्षिण कोरिया के पतंगबाज शामिल हैं।

### जियो-पॉलिटिक्स में बदलाव के संकेत

भारत और यूरोप की नजदीकी के लंबे समय से प्रयास चल रहे हैं। हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर फ्रांस और लग्जमबर्ग होकर आए हैं। भारत-वाइमर ट्रायंगल बैठक में भी शामिल हुए, जहां फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड के विदेश मंत्री भी मौजूद थे। साफ है कि भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच रिश्तों का एक मजबूत आधार तैयार हो चुका है, जिसमें जर्मनी, फ्रांस और पोलैंड मजबूत पिलर बनकर उभरे हैं और यह यूरोपीय कूटनीतिक त्रिकोण भारत के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्रेड पैंतरेबाजी का करारा जवाब साबित हो सकता है।

### पोलैंड के साथ रणनीतिक सहयोग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 में पोलैंड गए थे और उनकी पोलैंड के पीएम डोनाल्ड टस्क से मुलाकात हुई थी। यहां से दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग में सुधार होना शुरू हुआ। तब भी आपसी बातचीत में ट्रेड, इंवेस्टमेंट, साइंस, टेक्नोलॉजी, डिफेंस, सिक्योरिटी और सांस्कृतिक और नागरिकों के बीच संबंधों पर जोर दिया गया। 27 जनवरी को हो रहे भारत यूरोपियन शिखर सम्मेलन से पहले यूरोप के तीन देशों की इस तरह से भारत यात्रा, बदलते जियो-पॉलिटिक्स में पूरे विश्व के लिए बड़ा संदेश है।

### जर्मनी से बढ़ेगा कारोबार

भारत और जर्मनी की रणनीतिक साझेदारी के हाल ही में 25 साल पूरे हुए हैं। चांसलर की भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच न सिर्फ कारोबार और बढ़ने की संभावना है, बल्कि इंवेस्टमेंट, टेक्नोलॉजी, एजुकेशन, स्किल और मोबिलिटी के क्षेत्र में भी दोनों के बीच आपसी सहयोग बढ़ना तय है। फ्रांस के साथ भारत के संबंधों में पिछले कुछ वर्षों में बहुत ही ज्यादा मजबूती आई है और दोनों देशों के रक्षा और रणनीतिक सहयोग में भी काफी बढ़ोतरी हुई है।

# मुख्यमंत्री बोले - किताबें पढ़ें, नशे से दूर रहें युवा

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आज विभिन्न स्थानों पर सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। भोपाल में आयोजित युवा दिवस कार्यक्रम में शामिल होकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने युवाओं से योग करने, किताबें पढ़ने और नशे से दूर रहने की अपील की। भोपाल के सुभाष एक्सीलेंस स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि योग हमारी सनातन परंपरा का हिस्सा है। योग पूरे जीवन का निचोड़ है और यह हमें उत्कृष्टता की ओर ले जाने का मार्ग दिखाता है। स्वदेशी को बढ़ावा देना चाहिए। आज के समय में बच्चे किताबें पढ़ना छोड़ते जा रहे हैं, जबकि जितना अधिक पढ़ा जा सके उतना पढ़ना चाहिए। केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहें, बल्कि जो पढ़ने की इच्छा हो उसे भी पढ़ें। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि पेड़ लगाएं, पानी बचाएं और नशे से दूर रहें।

युवा दिवस पर सामूहिक सूर्य नमस्कार में शामिल हुए सीएम

### स्टार्टअप्स को हर संभव सहायता उपलब्ध करा रही सरकार

मध्यप्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा देने के उद्देश्य से दो दिन की मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसमें दूसरे दिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए। यह दो दिवसीय शिखर सम्मेलन देशभर के स्टार्टअप्स, निवेशकों, इनक्यूबेटर्स, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, नीति-निर्माताओं, एफपीओ, एमएसएमई और स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े प्रमुख भागीदारों को एक साझा मंच पर लाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्टार्टअप को हर संभव सहायता उपलब्ध करा रही है।

### ऑर्बिट से भटका, इसरो कर रहा विश्लेषण

## पूरा नहीं हो सका साल का पहला 'अन्वेषा' सेटेलाइट मिशन

**श्रीहरिकोटा, एजेंसी**

इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) का पीएसएलवी C62 मिशन तकनीकी खराबी के कारण आज पूरा नहीं हो सका। इस मिशन के तहत रॉकेट से 'अन्वेषा' सैटेलाइट और 14 को-पैसेंजर सैटेलाइट को लॉन्च किया गया था। हालांकि, मिशन के तीसरे चरण में तकनीकी गड़बड़ी देखी गई, जिसके कारण सैटेलाइट अपने तय ऑर्बिट में तैनात नहीं हो सका। अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट अन्वेषा को धरती से करीब 600 किलोमीटर ऊपर सूर्य-समकालिक कक्षा में तैनात करने की योजना थी। अन्वेषा सहित 15 सैटेलाइट्स को आज सुबह 10.18 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल के जरिए लॉन्च किया गया था। अन्वेषा को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है। यह उन्नत इमेजिंग क्षमताओं से लैस एक खुफिया सैटेलाइट है, जिसका मकसद सटीक निगरानी और मैपिंग करना है। यह धरती से कई सौ किलोमीटर ऊपर होने के बावजूद झाड़ी, जंगलों या बंकरों में छिपे दुश्मनों की तस्वीरें खींच सकता है। इस लॉन्च के सफल होने पर भारत चीन के बाद दूसरा ऐसा देश बन जाता जिसके पास ऐसी क्षमता होती। अन्वेषा सैटेलाइट उन्नत इमेजिंग क्षमता के लिए बनाया गया है, जो दुश्मन की गतिविधियों और ठिकानों की सटीक पहचान और मैपिंग में भारत की मदद करेगा।

### खेत से लौट रही 9 साल की बच्ची को कुत्तों ने नोचा, मौत

**संभल।** हजरत नगर गढ़ी थाना क्षेत्र के गांव पोटा में दादी के साथ खेत से लौट रही नौ वर्षीय बच्ची पर जंगली कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। गांव के पार्क के पास पहुंचते ही कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। बच्ची की चीख सुनकर दादी व अन्य लोगों ने शोर मचाया, जिस पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और लाठी डंडों से कुत्तों को भगाया, लेकिन तब तक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी।स्वजन उसे पास के अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

## ट्रंप ने खुद को वेनेजुएला का राष्ट्रपति बताया!

**वाशिंगटन, एजेंसी**

डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई कर वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार करवाने के बाद खुद को उसका कार्यकारी राष्ट्रपति बता दिया है। ट्रंप ने वेनेजुएला के तेल पर अमेरिकी नियंत्रण का आदेश दिया और अब क्यूबा के नेतृत्व को लेकर भी बयान दे डाला। इन कदमों ने अमेरिका पर दूसरे देशों की संप्रभुता को नजरअंदाज करने के गंभीर आरोप खड़े कर दिए हैं। यह सवाल और गहरा हो गया है कि क्या ट्रंप अब खुद को किसी राजा की तरह देखने लगे हैं, जो दूसरे देशों की संप्रभुता को नजरअंदाज कर रहे हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में खुद को 'एक्टिंग प्रेसिडेंट ऑफ वेनेजुएला' बताया। यह पोस्ट उस कार्यकारी आदेश के कुछ ही दिन बाद आई, जिसमें उन्होंने वेनेजुएला के तेल से होने वाली भविष्य की कमाई पर अमेरिकी नियंत्रण मजबूत कर दिया। आदेश के तहत अमेरिका में रखी गई वेनेजुएला की तेल आय को जब्त होने से बचाया गया है, लेकिन इसका इस्तेमाल अमेरिकी विदेश नीति की प्राथमिकताओं के अनुसार करने की बात कही गई है।

### जयंती विशेष

## हजारों संपर्कों के साथ हर अपनी-अपनी नकली दुनियां में खोए हैं सभी

# 'संपर्क' और 'जुड़ाव' पर विवेकानंद की सीख... आज की हकीकत

**हेमंत मुक्तिबोध**

एक सन्यासी का न्यूयार्क में एक बड़े पत्रकार इंटरव्यू ले रहे थे...

**पत्रकार-** सर, आपने अपने लास्ट लेक्चर में 'संपर्क और जुड़ाव' ( Contact and Connection ) पर स्पीच दी, लेकिन यह बहुत कन्फ्यूज करने वाली थी। क्या आप इनका अंतर समझा सकते हैं ? साधु मुस्कराये और उन्होंने कुछ अलग ही ...पत्रकार से ही पूछना शुरू कर दिया...

आप न्यूयॉर्क से हैं?

**पत्रकार-** जी हाँ ...

संन्यासी- आपके घर मे कौन-कौन हैं?

पत्रकार को लगा कि.. साधु उनका सवाल टालने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उनका सवाल बहुत व्यक्तिगत और उसके सवाल के जवाब से अलग था।

फिर भी पत्रकार बोला मेरी माँ अब नहीं हैं, पिता हैं तथा तीन भाई और एक बहन हैं ! सब शादीशुदा हैं।

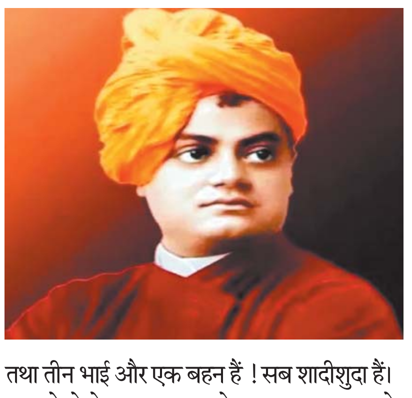

साधु ने चेहरे पर मुस्कान लाते हुए पूछा- आप अपने पिता से बात करते हैं?

पत्रकार के चेहरे से गुस्सा झलकने लगा...

साधु ने पूछा, आपने अपने फादर से आखिर में कब बात की थी ?

पत्रकार ने अपना गुस्सा दबाते हुए जवाब दिया - 'शायद एक महीने पहले।'

साधु ने पूछा 'क्या आप भाई-बहन से अक्सर मिलते हैं? आप सब आखिर में कब मिले एक परिवार की तरह ?'

इस सवाल पर पत्रकार के माथे पर पसीना आ गया कि , इंटरव्यू मैं ले रहा हूँ या ये साधु ? ऐसा लगा साधु, पत्रकार का इंटरव्यू ले रहा है। एक आह के साथ पत्रकार बोला - क्रिसमस पर 2 साल पहले.

साधु ने पूछा- कितने दिन आप सब साथ में रहे ?

पत्रकार अपनी आँखों से निकले आँसुओं को पोंछते हुये बोला - 3 दिन... !

साधु - कितना वक्त आप भाई-बहनों ने अपने पिता के बिल्कुल करीब बैठ कर गुजारा ?

पत्रकार हैरान और शर्मिंदा दिखा और एक कागज़ पर कुछ लिखने लगा...।

साधु ने पूछा- क्या आपने पिता के साथ नाश्ता , लंच या डिनर लिया ?

क्या आपने अपने पिता से पूछा कि वो कैसे हैं ? माता की मृत्यु के बाद उनका वक्त कैसे गुज़र रहा है... !

साधु ने पत्रकार का हाथ पकड़ा और कहा- शर्मिंदा, या दुःखी मत होना। मुझे खेद है अगर मैंने आपको अनजाने में चोट पहुँचाई हो, लेकिन ये ही आपके सवाल का जवाब है - **'संपर्क और जुड़ाव'**

आप अपने पिता के सिर्फ संपर्क ( Contact ) में हैं ,पर आपका उनसे कोई 'Connection' ( जुड़ाव ) नहीं हैं। You are not connected to him. आप अपने father से संपर्क में हैं जुड़े नहीं हैं। Connection हमेशा आत्मा से आत्मा का होता है। दिल से दिल का होता है। एक साथ बैठना, भोजन साझा करना और एक दूसरे की देखभाल करना, स्पर्श करना, हाथ मिलाना, आँखों का संपर्क होना, कुछ समय एक साथ बिताना।

आप अपने पिता, भाई और बहनों के संपर्क में हैं लेकिन आपका आपस में कोई 'जुड़ाव' नहीं है।

पत्रकार ने आँखें पोंछी और बोला - मुझे एक अच्छा और अविस्मरणीय सबक सिखाने के लिए धन्यवाद।

आज यह भारत की भी सच्चाई हो चली है। सबके हजारों संपर्क ( contacts ) हैं पर कोई जुड़ाव connection नहीं हैं। कोई विचार-विमर्श नहीं है। हर आदमी अपनी-अपनी नकली दुनियां में खोया हुआ है। वो साधु और कोई नहीं 'स्वामी विवेकानंद' थे।

-फेसबुक वाल से साभार

# सार्वजनिक स्थानों से बेसहारा मवेशियों और आवारा कुत्तों को हटाने के लिए सरकार ने लागू किया प्लान

## नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने सभी कलेक्टरों को जिले में प्रबंधन के लिए कहा

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

आवारा कुत्तों से बढ़ती परेशानी पर सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेश के बाद प्रदेश सरकार ने आवारा कुत्तों व बेसहारा मवेशियों के प्रबंधन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाई है। इसके तहत स्कूलों, कालेजों, अस्पतालों, बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थलों को बाउंड्रीवाल से सुरक्षित किया जाएगा, ताकि कुत्ते और बेसहारा मवेशी अंदर न घुस सकें। कुत्तों को सार्वजनिक स्थलों से हटाया जाएगा। स्थानीय प्रशासन ऐसे स्थलों को चिह्नित करेगा, जहां कुत्तों से संबंधित शिकायतें अधिक मिलती हैं। बाउंड्रीवाल बनाने का कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। इसी तरह सड़क पर घूमने वाले बेसहारा मवेशियों का भी प्रबंधन किया जाएगा।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने सभी कलेक्टरों को यह एसओपी जारी कर जिले में आवारा कुत्तों व बेसहारा मवेशियों के प्रबंधन के लिए कहा है। इसके लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया जाएगा। हाईवे व शहर में ऐसे स्थलों को चिह्नित किया जाएगा, जहां मवेशियों का जमावड़ा रहता है। पीडब्ल्यूडी, एनएचएआइ, एमपीआरडीसी और स्थानीय प्रशासन के साथ अंतर विभागीय समन्वय से ऐसे मवेशियों को पकड़कर निकाय या पंचायत क्षेत्र में स्थायी शेड बनकर वहां रखने की व्यवस्था की जाएगी। नई सड़कों के किनारे अनिवार्य रूप से गोशालाएं बनाई जाएंगी। इनके प्रबंधन के लिए प्रदेश के 18 शहरों रायसेन, विदिशा, गुना, सीहोर, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, शिवपुरी, दतिया, श्योपुर, रतलाम, मंदसौर, नीमच, खरगोन, बुरहानपुर, कटनी, खरगोन और बुरहानपुर में शेल्टर होम ही नहीं हैं। प्रदेश के 16 शहरों में 19 एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर है लेकिन कुत्तों के टीकाकरण का राज्य स्तर पर कोई सटीक रिकार्ड नहीं है।

### भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और रतलाम को रैबीज मुक्त करने का लक्ष्य

### मध्य प्रदेश में कुत्तों के काटने के सर्वाधिक प्रकरण भी इन्हीं शहरों में सामने आए हैं

### छह शहरों में पिछले साल जनवरी से जून के बीच 13,947 लोगों को कुत्तों ने काटा

### बनाए जाएंगे आश्रय स्थल

प्रदेश में कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाए जाएंगे। इसके लिए नगरीय निकायों से कुत्तों की संख्या एकत्र की जा रही है। कुत्तों के प्रबंधन के लिए उच्च शिक्षा विभाग के 250 कालेजों, स्कूल शिक्षा और खेल एवं युवा कल्याण विभाग की 40,545 संस्थाओं में बाउंड्रीवाल बनाई जाएंगी। 11,840 अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में से 4,573 में बाउंड्रीवाल है। शेष में बनाई जाएगी।

### छह शहरों को वर्ष 2030 तक रैबीज मुक्त करने का लक्ष्य

राष्ट्रीय रैबीज नियंत्रण कार्यक्रम के तहत वर्ष 2030 तक प्रदेश के छह शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और रतलाम को रैबीज मुक्त करने का लक्ष्य है। कुत्तों के काटने के सर्वाधिक प्रकरण भी इन्हीं शहरों में सामने आए हैं। वर्ष 2024 में कुत्तों के काटने के 1,48,427 मामलों सामने आए थे। इन छह शहरों में इस वर्ष छह माह में जनवरी से जून के बीच 13,947 लोगों को कुत्तों ने काटा।

# अब ट्रेन लेट होने पर टिकट कैंसिल करना पड़ेगा भारी

### न ही पूरा रिफंड मिलेगा और न मुआवजा

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

ट्रेन लेट होने की स्थिति में जल्दबाजी में लिया गया एक गलत फैसला यात्रियों को आर्थिक और कानूनी दोनों स्तर पर भारी पड़ सकता है। भोपाल के एक रेल यात्री के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने यह साफ कर दिया है कि अगर ट्रेन देरी से चलने पर यात्री रेलवे के तय नियमों का पालन नहीं करता और सीधे टिकट कैंसिल कर देता है, तो न तो उसे पूरा रिफंड मिलेगा और न ही मानसिक क्षतिपूर्ति का कोई दावा टिक पाएगा। यह फैसला उन लाखों रेल यात्रियों के लिए अहम सबक है, जो ट्रेन लेट होते ही बिना प्रक्रिया समझे टिकट कैंसिल कर देते हैं।

मामला भोपाल निवासी एक यात्री से जुड़ा है, जिसने सितंबर 2023 में भोपाल से नई दिल्ली के लिए आंध्रप्रदेश एक्सप्रेस में ष्ट-2 श्रेणी का टिकट बुक किया था। निर्धारित समय पर पहुंचने के बजाय ट्रेन नई दिल्ली करीब तीन घंटे की देरी से पहुंची, जिससे यात्री की आगे की कनेक्टिंग यात्रा प्रभावित हो गई। नई दिल्ली से चंडीगढ़ जाने वाली शताब्दी एक्सप्रेस छूट जाने के बाद यात्री ने दोनों टिकट कैंसिल करा दिए। बाद में जब टिकट राशि का पूरा रिफंड नहीं मिला तो यात्री ने इसे रेलवे की सेवा में कमी बताते हुए उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया।

हालांकि आयोग ने सुनवाई के बाद यह माना कि ट्रेन देरी से पहुंची थी, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि यात्री ने उस स्थिति में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया, जो उसे नियमों के तहत करना चाहिए था। इसी आधार पर आयोग ने शिकायत खारिज करते हुए कहा कि केवल ट्रेन के लेट होने से ही रेलवे को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, जब यात्री स्वयं निर्धारित प्रक्रिया से हटकर कदम उठाए। बता दें कि यह फैसला हाल ही में कंज्यूमर आयोग की बैंच एक के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ला और प्रतिभा पांडे ने सुनाया।

### आयोग ने क्या कहा

जिला उपभोक्ता आयोग ने शिकायत खारिज कर दी। आयोग का कहना था कि यात्री ने वह प्रक्रिया नहीं अपनाई, जो ट्रेन देरी की स्थिति में जरूरी होती है। आयोग के अनुसार, अगर ट्रेन तीन घंटे या उससे ज्यादा लेट हो तो यात्री को टिकट कैंसिल करने के बजाय अष्टक्र(टिकट डिपॉजिट रिसीट) दाखिल करनी चाहिए थी। टिकट स्वयं कैंसिल करने पर रेलवे द्वारा की गई कटौती नियमों के अनुरूप है, इसलिए इसे सेवा में कमी नहीं माना जा सकता।

### भोपाल रेलवे स्टेशन पर 'किलाबंदी'

भोपाल रेलवे स्टेशन पर बिना टिकट यात्रा करने वालों को पक?ने के लिए 'किलाबंदी' की गई। इस दौरान ऐसे 218 यात्री पक? गए, जिनके पास टिकट नहीं मिले। उनसे 1 लाख 21 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। भोपाल स्टेशन पर सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक दो सुपरवाइजर समेत 20 टिकट चेकिंग स्टाफ ने किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया।

### भारत भवन में लिटरेचर फेस्टिवल का समापन

# सिनेमा तर्क नहीं जादू है : विनय सप्रू

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

सिनेमा तर्क नहीं जादू है और बदलती तकनीक के बावजूद भावनाएं हमेशा केंद्र में रहती हैं। यह बात भारत भवन में तीन दिनों तक चले लिटरेचर फेस्टिवल के समापन अवसर पर फिल्म निर्माण पर केंद्रित संवाद में विनय सप्रू और राधिका राव ने कही। इस फेस्टिवल में सौ से अधिक लेखक, चिंतक, इतिहासकार और कलाकारों ने लगभग साठ सत्रों में अपने विचार रखे। वहीं सफलता पर आधारित सत्र में के जे अल्फोंस ने कहा कि समय का सम्मान और अनुशासन सफलता की कुंजी है। इसके साथ ही सज्जन यादव ने कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखने पर जोर दिया। आखिरी दिन दर्शकों की भारी उपस्थिति ने इस आयोजन की लोकप्रियता को और बढ़ा दिया। समापन संध्या में दास्तां शंकर स्त्रोत की प्रस्तुति हुई। यह प्रस्तुति आचार्य शंकराचार्य की जीवन यात्रा और विचारों पर आधारित थी और दर्शकों ने इसे खूब सराहा। कार्यक्रम निदेशक राघव चंद्रा ने कहा कि यह उत्सव अगले वर्ष और अधिक समृद्ध रूप में लौटेगा। फेस्टिवल में ओरछा कलम नामक पुस्तक का लोकार्पण हुआ। विश्वपति त्रिवेदी और मोना त्रिवेदी द्वारा लिखित यह पुस्तक ओरछा की विरासत चित्रकला और इतिहास का अद्भुत दस्तावेज है। अंतरंग सभागार में कवि आलोक श्रीवास्तव का सत्र हुआ। उन्होंने अपनी कविताओं और गजलों के माध्यम से संवेदनाओं को नई ऊंचाई दी और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

# रेलवन एप से अनारक्षित टिकट पर 3 फीसदी की सीधी छूट

### 14 जनवरी से लागू हो जाएगी नई व्यवस्था

**भोपाल।** रेलवे द्वारा डिजिटल टिकट बुकिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यात्रियों को एक बड़ी राहत दी जा रही है। अब कोटा मंडल के यात्री रेलवन मोबाइल ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर तीन प्रतिशत की सीधी छूट का लाभ उठा सकेंगे। यह सुविधा 14 जनवरी से प्रायोगिक रूप से आगामी छह माह की अवधि के लिए लागू की जा रही है। यह छूट आर-वालेट को छोड़कर अन्य सभी डिजिटल भुगतान विकल्पों जैसे यूपीआई, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और नेट बैंकिंग पर लागू होगी। वहीं, आर-वालेट से टिकट बुक करने वाले यात्रियों को पहले की तरह तीन प्रतिशत बोनस कैशबैक मिलता रहेगा। यह प्रायोगिक योजना 14 जनवरी से 14 जुलाई तक प्रभावी रहेगी। इसके बाद सेंटर फार रेलवे इंफार्मेशन सिस्टम द्वारा योजना की समीक्षा कर आगे का निर्णय लिया जाएगा। रेलवे का उद्देश्य इस पहल के माध्यम से यात्रियों को डिजिटल भुगतान के प्रति प्रोत्साहित करना, टिकट बुकिंग प्रक्रिया को आसान बनाना और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। वर्तमान में रेलवन ऐप पर केवल आर-वालेट के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर तीन प्रतिशत की राशि बोनस कैशबैक के रूप में दी जाती है। लेकिन नई व्यवस्था के तहत 14 जनवरी से सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकट बुक करने पर यात्रियों को तीन प्रतिशत की सीधी छूट प्रदान की जाएगी।

# 'भक्ति पर्व समागम' का आयोजन

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

भक्ति केवल शब्द नहीं जीवन जीने की सजग यात्रा है। यह प्रेरणादायक विचार निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज ने हरियाणा स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा में आयोजित 'भक्ति पर्व समागम' के अवसर पर व्यक्त किए। भोपाल जोन 24 ए के जोनल इंचार्ज महात्मा अशोक जुनेजा के मार्गदर्शन में सभी ब्रांचों में 'भक्ति पर्व समागम' का आयोजन हुआ। समागम के दौरान अनेक वक्ताओं, कवियों एवं गीतकारों ने अपनी-अपनी विधाओं के माध्यम से गुरु महिमा, भक्ति भाव और मानव कल्याण के संदेशों को अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संत संतोख सिंह सहित अन्य संत महापुरुषों के तप, त्याग एवं उनके ब्रह्मज्ञान के प्रचार-प्रसार में दिए गए अमूल्य योगदान का भावपूर्ण स्मरण किया गया। श्रद्धालुओं ने उनके जीवन से प्रेरणा लेकर भक्ति, सेवा एवं समर्पण के मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

### रवींद्र भवन में हुआ आयोजन, पन्द्रह विशिष्ट प्रतिभाओं को कायस्थम सम्मान

# 'रिश्तों में मधुरता के लिए सम्मान किया जाना जरूरी'

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

रवीन्द्र भवन के अंजनी सभागार में कायस्थम-2026 में समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग रहे।

विशिष्ट अतिथियों के रूप में चित्रगुप्त अखाड़ा न्यास, मथुरा के प्रमुख स्वामी चक्रपाणि महाराज, ब्रह्मचारी गिरीश, टीवी एवं फिल्म कलाकार तितिक्षा श्रीवास्तव, सोनिया श्रीवास्तव और शोभिता श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महेश श्रीवास्तव ने की, कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव ने आयोजन की रूपरेखा और उद्देश्य प्रस्तुत किया। समारोह में कायस्थम की पत्रिका कायस्थ दर्पण के विशेषांक का लोकार्पण तथा वर्ष 2026 के कैलेंडर का विमोचन और श्री चित्रगुप्त चालीसा का प्रकाशन भी किया गया। स्वामी चक्रपाणि महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि कायस्थ समाज राष्ट्र के लिए जीने वाली परंपरा का वाहक रहा है। उन्होंने विश्व में बढ़ते तनाव का कारण परस्पर सम्मान की कमी को बताया और रिश्तों में मधुरता के लिए सम्मान को आवश्यक बताया। वहीं मंत्री सारंग ने कहा कि हमारा लक्ष्य यह हो कि संपूर्ण हिंदू समाज एक हो इस पर हमें काम करना है। हमें संस्कृति को बचाना है मेरा आग्रह है युवाओं को आगे लेकर आएं और उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दे। ब्रह्मचारी गिरीश जी ने आदर्श जीवन की स्थापना के लिए सक्रिय कदम बढ़ाने का आह्वान किया। वैदिका खरे की कविता 'सुख में सबके संग रहती हूं, दुख में अकेली हो जाती हूं।' ने श्रोताओं को भावुक कर दिया। शालू श्रीवास्तव ने कथक नृत्य और 'मेरी बेटी मेरा अभिमान' विषय पर आधारित प्रस्तुति दी।भोपाल की कथक नृत्यांगना गार्गी श्रीवास्तव ने शिव महिमा पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया।

# चौराहे के नामकरण के लिए किया भूमिपूजन

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा एवं सार्वदेशिक युवा कायस्थ संस्था के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को 1100 क्वार्टर स्थित चित्रगुप्त मंदिर के पास चौराहे का नामकरण 'चित्रगुप्त चौराहा' करने के लिए भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम अखिल भारतीय हिन्दू महासभा, संत महासभा व चित्रगुप्त अखाड़ा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत चक्रपाणि महाराज द्वारा किया. इसके उपरांत चक्रपाणि महाराज ने नेवरी लालघाटी पर मनकामेश्वर महादेव मंदिर स्थित चित्रगुप्तधाम में आराध्यदेव चित्रगुप्त जी की पूजा-अर्चना एवं सामूहिक आरती की. इस अवसर पर उन्होंने सामाजिक एकजुटता एवं समरसता पर जोर दिया।

**मेट्रो एंकर**

### इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट-304 के 41वें वार्षिक सम्मेलन में अभिनेता अभिषेक बच्चन बोले...

# आज के सितारे हैं बच्चे, बोर्ड से मेरा नाम हटाकर इनका लिखिए

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट-304 का 41वां वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अभिनेता अभिषेक बच्चन ने कहा कि बोर्ड से अभिनेता में मेरा नाम हटाकर इन बच्चों का नाम लिख दीजिए, आज के सितारे यही हैं। इनर व्हील के कार्यक्रम में मंच का केंद्र विशेष बच्चे बन गये। जिन्होंने अपने अभिनय और ग्रुप सॉन्ग से सभी का मनमोह लिया। उनके नाटक की प्रस्तुति देखते ही अभिनेता अभिषेक बच्चन काफी प्रभावित हुए। उन्होंने अपने संबोधन में मुस्कुराते हुये बच्चों के अभिनय की प्रशंसा की। इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट-304 और होस्ट क्लब इनरव्हील क्लब ऑफ भोपाल राइज द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक सेवा को आगे बढ़ाना और प्रदेशभर से आए प्रतिनिधियों को एक मंच पर जोड़ना था। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीने में क्लब ने 1002 प्रोजेक्ट पूरे कर 1 लाख 40 हजार से ज्यादा लोगों तक पहुंच बनाई है। यह हर मायने में प्रेरणादायक उपलब्धि है। कांफ्रेंस संयोजक रीता वर्मा ने मुख्य अतिथि अभिनेता अभिषेक बच्चन और सभी डेलीगेट्स का स्वागत किया। कार्यक्रम में रोटरी गवर्नर सुशील मल्होत्रा ने भी इनरव्हील के कार्यों को समाज बदलाव की शक्ति बताया। स्मारिका विमोचन के बाद उपाध्यक्ष आरती जैन ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न क्लबों से 300 से ज्यादा सदस्य शामिल हुए। मुख्य अतिथि के तौर पर अभिषेक बच्चन ने इनरव्हील द्वारा शिक्षा, तकनीकी लैब, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, नशा, जागरूकता और जल स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में किए गए कार्यों की सराहना की।

## भजन यात्रा

**भोपाल।** कोच फैक्ट्री रोड पर महिलाओं की भजन यात्रा निकली।

### एमपी में चना, मिलेट्स, सरसों के रिसर्च सेंटर बनेंगे

# खेती की लागत घटाकर, आमदनी बढ़ाने 16 मंत्रालयों को मुख्यमंत्री ने दिया टास्क

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

एमपी में खेती की लागत घटाकर किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सीएम डॉ. मोहन यादव इस साल को कृषक कल्याण वर्ष के तौर पर मनाने जा रहे हैं। 16 विभाग मिलकर इस टास्क पर काम करेंगे। जिससे किसानों की आमदनी बढ़ने के साथ ही कृषि आधारित रोजगार बढ़ेंगे और फूड प्रोसेसिंग डेयरी, फिशरीज जैसे उद्योग भी बढ़ेंगे। रविवार 11 जनवरी को भोपाल के जंबूरी मैदान से सीएम ने इसकी औपचारिक शुरुआत की है।

## सरकार की रणनीति

सरकार का लक्ष्य है कि किसान केवल अन्नदाता न रहे, बल्कि उद्यमी, ऊर्जा दाता और एक्सपोर्टर भी बनें। इसी सोच के साथ समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश थीम पर आधारित यह अभियान शुरू किया गया है। सरकार ने खेती को पारंपरिक व्यवस्था से आगे बढ़ाकर लाभकारी व्यवसाय बनाने की दिशा में रोडमैप तैयार किया है।

## वैल्यू एडिशन पर फोकस

पिछले एक दशक में 16त्न से ज्यादा कृषि विकास दर हासिल कर चुके मध्यप्रदेश को अब वैश्विक कृषि मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाने की तैयारी है। सरकार उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ मार्केटिंग, प्रोसेसिंग और वैल्यू-एडिशन पर फोकस कर रही है। खेती को जोखिम से बाहर निकालने के लिए मौसम आधारित तकनीक, बीमा और अनुसंधान को केंद्र में रखा गया है।

## तीन बड़े कृषि अनुसंधान केंद्र बनेंगे

कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत राज्य में तीन प्रमुख रिसर्च हब स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों से फसल उत्पादकता, गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में मदद मिलेगी

» डिंडौरी में श्रीअन्न ( अनुसंधान केंद्र
» ग्वालियर में सरसों अनुसंधान केंद्र
» उज्जैन में चना अनुसंधान केंद्र

## विदेशों तक जाएंगे किसान

किसानों और कृषि से जुड़े अधिकारियों को वैश्विक नवाचारों से जोड़ने के लिए विदेश अध्ययन भ्रमण योजना शुरू की जाएगी। सिंचाई दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रेशराइज्ड वाटर माइक्रो इरीगेशन योजना लागू की जाएगी। वहीं प्रदेशभर में (वेदर इंफॉर्मेशन नेटवर्क डाटा सिस्टम) विकसित कर किसानों को सटीक मौसम पूर्वानुमान और कृषि सलाह उपलब्ध कराई जाएगी।

## बीमा योजना में उद्यानिकी फसलें भी

खेती को जोखिम से सुरक्षित बनाने की दिशा में मौसम आधारित बीमा योजना के दायरे में अब उद्यानिकी फसलों को भी शामिल किया जाएगा। किसानों की जमीनी मदद को मजबूत करने के लिए कृषक मित्र-कृषक दीदी योजना को दोबारा शुरू किया जाएगा। आय के नए स्रोत खोलने के उद्देश्य से प्रदेश में कृषि पर्यटन की शुरुआत और गोपालन को प्रोत्साहन देने की कार्यवाही भी प्रस्तावित है। तिलहन किसानों को राहत देते हुए सरसों पर भावांतर योजना लागू की जाएगी।

## कृषि-सब्जी मंडियों का होगा आधुनिकीकरण

कृषि विपणन को आधुनिक बनाने के लिए प्रदेश की चिन्हित कृषि उपज मंडी समितियों और सब्जी मंडियों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। नवाचार के रूप में कृषि उत्पाद निर्यात योजना लागू कर किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने की तैयारी है। मृदा पोषण प्रबंधन के लिए प्रदेश में 3 माइक्रो न्यूट्रीएंट लैब स्थापित की जाएंगी। पर्यावरण संरक्षण और अतिरिक्त आय के उद्देश्य से नरवाई प्रबंधन के तहत अधिक से अधिक कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट लगाए जाएंगे और पराली संग्रह के लिए एग्रीगेटर स्थापित किए जाएंगे। उद्यानिकी क्षेत्र के विस्तार पर भी सरकार का विशेष जोर रहेगा। वर्ष 2026-27 में उद्यानिकी रकबा 28.39 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 29.89 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखा गया है, यानी करीब 1.5 लाख हेक्टेयर की वृद्धि होगी।

### दिल्ली में वित्त मंत्रियों के साथ प्री-बजट बैठक में देवड़ा ने रखा पक्ष

# सिंहस्थ के लिए सरकार ने केंद्र से मांगे 20 हजार करोड़ रुपए

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ के लिए 20 हजार करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के विशेष पैकेज की मांग प्रदेश सरकार ने केंद्र से कही है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में दिल्ली में हुई सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों की प्री-बजट बैठक में मप्र की ओर से वित्त विभाग देख रहे उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने पक्ष रखा।

उन्होंने कहा कि सिंहस्थ पर्व पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु शिप्रा में स्नान कर भगवान महाकाल के दर्शन करते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टि से राज्य सरकार द्वारा उज्जैन एवं आसपास के क्षेत्र में सड़क, घाट, पुल-पुलिया और यात्रियों के ठहरने के स्थल तथा चिकित्सालय का निर्माण व अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। वर्तमान में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक के अधोसंरचना संबंधी कार्य स्वीकृत किए गए हैं। देवड़ा ने कहा कि भारत को सभी क्षेत्रों में विकसित करने के लिए बनाई गई नीतियों और कार्यक्रमों में मध्य प्रदेश अपनी पूरी क्षमता से योगदान देगा। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में मध्य प्रदेश के संदर्भ में सकल घरेलू उत्पाद की गणना, वस्तु एवं सेवा कर आदि के बारे केंद्रीय वित्त मंत्री को प्रदेश की स्थिति बताई। कहा, राज्य के सकल घरेलू उत्पाद की औसत वार्षिक वृद्धि दर 10 प्रतिशत से अधिक बनी हुई है। पूंजीगत कार्यों के लिए वर्ष 2026-27 के बजट में राशि बढ़ाने की भी मांग भी उन्होंने रखी।

## ऋण लेने के लिए प्रदेश की जीडीपी की सीमा बढ़ाएं

जगदीश देवड़ा ने बैठक में कहा कि भारत सरकार द्वारा ऋण प्राप्त करने की सीमा की गणना के लिए प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 15 लाख 44 हजार 141 करोड़ रुपये मान्य किया जा रहा है। ऋण प्राप्त करने की सीमा सकल राज्य घरेलू उत्पाद 16 लाख 94 हजार 477 करोड़ रुपये के मान से की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऋण सीमा के निर्धारण के लिए 15वें वित्त आयोग द्वारा बताई गई गणना प्रक्रिया के अनुसार ही प्रदेश का जीएसडीपी मान्य की जाए।

# अब प्रदेश स्तर पर 10 दिनों में होगा पेंशन प्रकरणों का निराकरण, बचेगा समय

**भोपाल।** सेवानिवृत्ति के बाद अब पेंशन प्रकरणों का 10 दिनों में प्रदेश स्तर पर निराकरण होगा। इस नई व्यवस्था से अब सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन आदेश (पीपीओ) के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पहले पीपीओ जारी होने में छह माह से एक वर्ष तक लग जाता था और शासकीय सेवक को सेवानिवृत्त के बाद पेंशन कार्यालय के चक्कर काटने पड़ते थे। इसको लेकर मध्य प्रदेश पेंशन संचालनालय ने केंद्रीय कृत व्यवस्था बनाई है। अभी तक जिलों से प्रकरण बनते थे और फिर प्रदेश में आते थे। उसमें विलंब होता था। अब चुकी कैबिनेट ने निर्णय करके जिला कार्यालय बंद कर दिए हैं, ऐसे में प्रदेश स्तर पर ही पूरा काम होगा। इससे समय की बचत होगी। यह नई व्यवस्था पूरी तरह से डिजिटल होगी। जिलों के पेंशन अधिकारी ई-साइन (डिजिटल साइन) से पीपीओ जारी करेंगे। किसी अधिकारी के हाथ से साइन नहीं होंगे। पीपीओ सीधे स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआइ) को भेजा जाएगा। प्रदेश में करीब पांच लाख पेंशनर हैं। अब तक पेंशन बढ़ने या घटने पर, नया पीपीओ बनवाने के लिए पेंशनर को दफ्तर और बैंक के चक्कर लगाने पड़ते थे।

### 30 दिन में शिकायतकर्ता को जाना होगा थाने

# सायबर अपराध में ई-FIR पर साइन जरूरी नहीं तो होगी निरस्त

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए ई-एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। अब ई-एफआईआर तो दर्ज होगी, लेकिन उस पर हस्ताक्षर करने के लिए शिकायतकर्ता को संबंधित थाने जाना अनिवार्य होगा। यदि शिकायतकर्ता एक महीने के भीतर थाने जाकर एफआईआर आवेदन पर हस्ताक्षर नहीं करता है, तो ई-एफआईआर स्वतः निरस्त कर दी जाएगी। पुलिस महानिदेशक डीजीपी कैलाश मकवाणा ने इस संबंध में सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों और अन्य पुलिस इकाइयों को निर्देश जारी किए हैं और इनका सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। यह कार्रवाई एक लाख रुपए या उससे अधिक की राशि से जुड़े वित्तीय साइबर धोखाधड़ी के मामलों में लागू होगी। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल या हेल्पलाइन 1930 के माध्यम से सीसीटीएनएस क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम के जरिए राज्य साइबर पुलिस थाने में ई-एफआईआर दर्ज करने की व्यवस्था है।

**शुरुआती जांच के बाद ट्रांसफर होगी रिपोर्ट**- इस प्रकार की शिकायतें प्राप्त होने पर प्राथमिक परीक्षण के बाद उन्हें संबंधित जिलों को ट्रांसफर किया जाएगा। इसके बाद शिकायतकर्ता को तीन दिनों के भीतर ई-एफआईआर पर हस्ताक्षर करने के लिए थाने बुलाया जाएगा। यदि संबंधित व्यक्ति थाने नहीं पहुंचता है, तो 30 दिनों के भीतर ई-एफआईआर स्वतः निरस्त हो जाएगी।

## फ्रीज होंगे बैंक खाते

निर्देशों में यह भी कहा गया है कि ई-एफआईआर दर्ज होने के बाद जांच प्रक्रिया के तहत बैंक खातों को फ्रीज करना, सीडीआर कॉल डिटेल रिकॉर्ड, एसडीआर सब्सक्राइबर डिटेल रिकॉर्ड प्राप्त करना और सीसीटीवी फुटेज एकत्र करना जैसी कार्रवाइयां की जाएंगी। यह सभी प्रक्रियाएं शिकायतकर्ता के हस्ताक्षर के बिना भी की जा सकेंगी। गौरतलब है कि इससे पहले दो लाख रुपए या उससे अधिक की राशि के साइबर फ्रॉड मामलों को ही राज्य साइबर पुलिस थाने में दर्ज करने का प्रावधान था, जिसे अब निरस्त कर दिया गया है।

### संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र में उम्मीद की उड़ान,

# सीधी में दिखा गिद्धों का बड़ा समूह, मिल रह शुभ संकेत

**सीधी, दोपहर मेट्रो**

सीधी जिले के मझौली जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत ठोंगा में 6 और 11 जनवरी को गिद्धों का एक बड़ा झुंड देखे जाने से क्षेत्र में उत्सुकता और उम्मीद का माहौल बन गया है। विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुकी इस दुर्लभ प्रजाति के पक्षियों को ग्रामीणों ने अपने कैमरों में कैद किया, जिसके बाद वन्यजीव प्रेमियों और पर्यावरणविदों के बीच इस विषय पर चर्चा तेज हो गई है। वर्षों बाद इस तरह गिद्धों का झुंड दिखाई देना जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन की दृष्टि से एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। इनकी चोंच टेढ़ी और मजबूत होती है, हालांकि इनके पंजे उतने शक्तिशाली नहीं होते। गिद्ध झुंड में रहने वाले मुर्दाखोर पक्षी हैं, जो मृत पशुओं और सड़े-गले मांस को खाकर प्रकृति की स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी कारण इन्हें प्राकृतिक सफाईकर्मी भी कहा जाता है। गिद्धों की औसत आयु 40 से 45 वर्ष मानी जाती है, जबकि ये चार से छह वर्ष की आयु में प्रजनन योग्य होते हैं। इनकी दृष्टि इंसानों की तुलना में लगभग आठ गुना अधिक तेज होती है और ये खुले मैदान में करीब चार मील दूर से भी शव देख सकते हैं।

## लगातार दर्ज हो रही संख्या में गिरावट

पिछले दो दशकों में गिद्धों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इसका प्रमुख कारण पशुचिकित्सा में उपयोग की जाने वाली डिक्लोफेनिक दवा रही है, जो मृत पशुओं के मांस के साथ गिद्धों के शरीर में पहुंचकर उनकी किडनी फेल कर देती है। वर्ष 2008 में इस दवा पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद इसके दुष्प्रभाव लंबे समय तक देखे गए। इसके अलावा हाई टेंशन बिजली टावरों और तारों से टकराने के कारण भी गिद्धों की मौत और पलायन की घटनाएं सामने आई हैं।


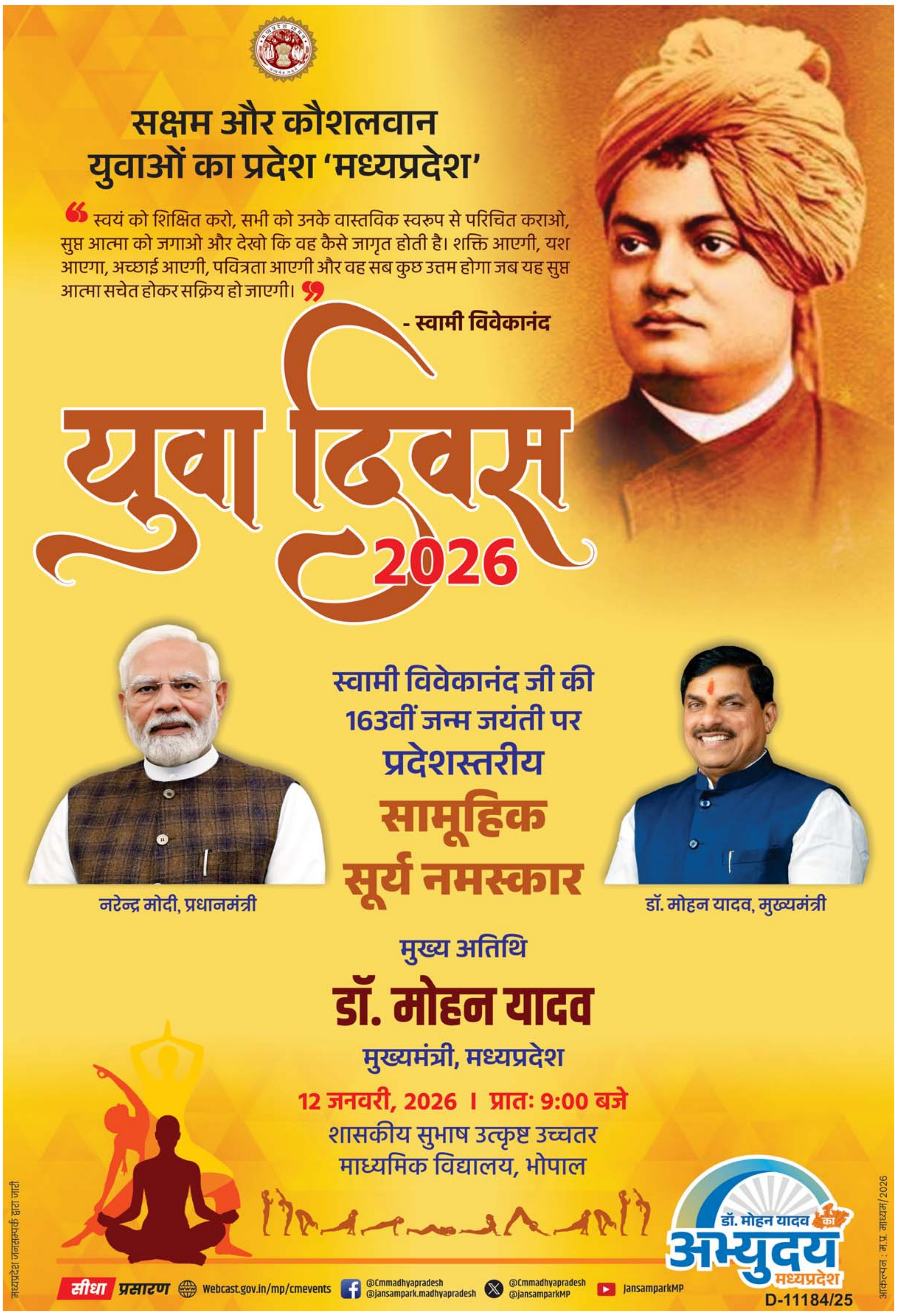

## खामेनेई का ट्रंप को सख्त संदेश

ईरान में महंगाई के खिलाफ आम लोगों का विरोध-प्रदर्शन धीरे-धीरे तेहरान बनाम वॉशिंगटन होता जा रहा है। इस्लामिक देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई का संबोधन डोनाल्ड ट्रंप के लिए चेतावनी है, जो जरूरत पड़ने पर ईरान में दखल देने की बात कह चुके हैं।

ईरान की समस्या बहुत हद तक पैदा की हुई है। 1979 की क्रांति में शाह के पतन और इस्लामिक गणराज्य की स्थापना के समय से ही ईरान को पश्चिमी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। इस समय भी परमाणु हथियारों के कार्यक्रम पर रोक नहीं लगाने के आरोप में अमेरिका और यूरोप ने ईरान पर कई तरह के प्रतिबंध लाद रखे हैं। कुछ इन पाबंदियों और कुछ सरकारी नीतियों की वजह से ईरान की इकॉनमी आज डूबने के कगार पर पहुंची हुई है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि ईरान में महंगाई दर 42% हो गई है। खाने-पीने के दाम बेतहाशा बढ़े हैं और जरूरी चीजों के दाम में 110% तक की बढ़ोत्तरी हुई है। ईरान के पास दुनिया के कुल तेल भंडार का 9-10% है, लेकिन अमेरिका ने उस पर यह कहते हुए कड़े प्रतिबंध लाद रखे हैं कि इन पैसों का इस्तेमाल परमाणु हथियार विकसित करने में होता है।

दशकों की इन पाबंदियों की वजह से ईरान को कभी संभलने का मौका नहीं मिला। पश्चिम की दुश्मनी खामेनेई से है, पर भुगतना जनता को पड़ रहा है। ऊपर से कट्टरता, शासन व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं, मानवाधिकार का उल्लंघन जैसे आरोप भी हैं, जिनके विरोध में हर कुछ वक्त बाद ईरानी सड़कों पर उतरे नजर आते हैं। साल 2022 में भी ऐसे ही उग्र प्रदर्शन हुए थे, जब हिजाब न पहनने के आरोप में एक युवती को हिरासत में लिया गया था और उसकी मौत हो गई थी।

ताजा विरोध-प्रदर्शन देश के अधिकतर हिस्सों तक फैल चुके हैं। खबरों के मुताबिक, 45 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इंटरनेट बंद है और आम ईरानियों की सुरक्षा को लेकर पूरी दुनिया में चिंता है, लेकिन संप्रभु देश के मामलों में अमेरिका को कूदने का अधिकार नहीं है। पिछले साल जून में अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर एयर स्ट्राइक की थी, लेकिन उसका कोई फायदा नहीं निकला। इससे पहले भी कई उदाहरण हैं, जहां अमेरिकी हस्तक्षेप से हालात और बिगड़े ही। ईरान का फैसला वहां की जनता ही करे तो अच्छा होगा।

# सरकार, समाज और कोर्ट की प्राथमिकता क्या हो, कुत्ते या सामान्य नागरिकों का हित?

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

राजधानी दिल्ली ही नहीं देश के कई हिस्सों में आवारा कुत्तों और अन्य पशुओं के कारण हो रही समस्या गंभीर होने से अदालतों के सामने पहुँच गई है। दुर्भाग्य की बात है कि कुछ संगठन, नेता, संपन्न लोग और कानूनविद भी आवारा कुत्तों के बचाव में सुप्रीम कोर्ट में जाकर खड़े हो गए हैं। इसलिए सवाल उठ रहा है कि समाज, सरकार और कोर्ट की प्राथमिकता क्या हो? सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई 2025 में स्वतः संज्ञान लेकर आवारा कुत्तों के काटने, इससे रेबीज़ संक्रमण और सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों पर सुनवाई शुरू की। अदालत ने हालांकि शुरू में यह कहा कि यह एक मामूली मामला नहीं है; इसके पीछे 'सार्वजनिक सुरक्षा और मूल अधिकार (Article 21)' की गंभीरता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट-बेंच ने कहा: 'कुत्ता इंसान के डर को सूंघकर हमला कर सकता है।' 'हम किसी इंसान के मन को नहीं पढ़ सकते कि कुत्ता काटेगा या नहीं।' 'सड़कों पर आवारा कुत्ता न केवल काटता है, बल्कि वाहन चालकों/साइकिल के साथ भिड़ंत कर देता है।' 'अदालत ने कहा है कि सार्वजनिक जगहों की सुरक्षा पहले है।' सुप्रीम कोर्ट ने यह क्लियर किया कि उसने हर कुत्ते को सड़क से हटाने का आदेश नहीं दिया है; बल्कि इसके निर्देश का उद्देश्य है कि नियमों के मानवतावादी और वैज्ञानिक प्रबंधन को लागू किया जाए। भारत सरकार के स्वास्थ्य डेटा के मुताबिक़ कुत्ता काटने के मामले तेज़ी से बढ़ रहे हैं। 2022 में 21,89,909, 2023 में 30,52,521, 2024 में 37,15,713 और 2025 (जनवरी 2026 तक): 4,29, 664 मामले दर्ज हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि भारत में कुत्ता काटना एक महामारी-स्तरीय समस्या बन चुका है। दिल्ली अकेले ही उजागर करता है कि संकट कितनी गहरा है। 2022 में 96,691 काटने की रिपोर्ट, 2023 में 17,874, 2024 में 25,210, 2025 -- 26 (जनवरी तक) 3,196 मामले दर्ज हैं। कुत्ता काटने के बाद सबसे गंभीर स्वास्थ्य खतरा है रेबीज़। ऐसा वायरल संक्रमण जो औसत में 100% मृत्यु दर तक ले जाता है अगर समय पर Post-Exposure Prophylaxis (PEP) न मिले। भारत विश्व में आधे से ज़्यादा रेबीज़ मामलों का केंद्र है, जहाँ वैज्ञानिक रिपोर्टों के हिसाब से अनुमानित 5,000 से अधिक लोग हर साल इसी कारण मरते हैं। कुत्ता काटने के बाद इम्यूनोग्लोबुलिन + वैक्सीन शॉट की ज़रूरत होती है।

पहले 11 अगस्त 2025 को दो-न्यायाधीश की बेंच ने आदेश दिया कि दिल्ली- राजधानी क्षेत्र से सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में पकड़ा जाए, उन्हें शेल्टर होम में भेजा जाए, शेल्टर में नसबंदी, टीकाकरण हो, कुत्तों को वापस सड़कों पर नहीं छोड़ा जाए। यह आदेश भारी चर्चा और डॉग लवर्स के विरोध के बीच आया। फिर फैसले को पुनः समीक्षा के लिए तीन-जजों की बेंच को सौंपा गया जिसमें नसबंदी और टीकाकरण लागू करने पर विचार हुआ। कोर्ट ने रैबीज़/आक्रामक कुत्तों को शेल्टर में रखने पर ज़ोर दिया। अस्पताल की गैलरियों आदि में आवारा कुत्तों की मौजूदगी पर रोक लगाई गई।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आवारा जानवर सिर्फ काटने तक सीमित नहीं हैं। वे वाहन चालकों के बीच सीधी दुर्घटनाएँ भी कराते हैं। कई बाइक / कार जैसे वाहन अचानक सामने आने वाले कुत्तों या ग़ायों

से टकरा जाते हैं, जिससे गंभीर चोटें/मौत हो जाती हैं। कोर्ट ने यह आदेश भी दिया कि राष्ट्रीय राजमार्गों और राज्य मार्गों से गाय-भैंसे और अन्य जानवर हटाए जाएं। हर 10 - 15 किमी पर 24×7 पेट्रोल टोल और हेल्पलाइन स्थापित हो, रोड साइन, चेतावनी बोर्ड और अधिकारीयों की ज़िम्मेदारी तय हो।

आवारा कुत्तों, सड़क पर घूमते अन्य जानवरों और उनसे जुड़े बैरो (रैबीज़) तथा सड़क दुर्घटना मुद्दे को हल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने निजी भावनाओं के ऊपर 'सार्वजनिक सुरक्षा और वैज्ञानिक समाधान' को प्राथमिकता दी है। कोर्ट ने ABC नियमों को लागू करने पर जोर दिया है। रोड से पशु हटाने की व्यवस्थाएँ की जानी चाहिए।काटने के बाद रैबीज़ प्रोटोकॉल सुव्यवस्थित होना चाहिए। राज्यों को अपनी योजनाओं की जवाबदेही तय करनी चाहिए। यह मामला सिर्फ कुत्तों का नहीं – सामान्य जनता की जीवन रक्षा, स्वास्थ्य और सड़क सुरक्षितता का है।

भारत की अदालतों में में लगभग 5.41 करोड़ से ऊपर मुकदमे लंबित हैं। यह संख्या सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और जिला/अधीनस्थ अदालतों का कुल मिलाकर आंकड़ा है। सरकारी और अदालती रिकार्ड्स के अनुसार 2025-26 में सुप्रीम कोर्ट में लगभग 90,000 से 92,000 केस लंबित हैं। हाई कोर्ट (सभी 25 उच्च न्यायालय) में लगभग 63 लाख से 65 लाख मामले विचाराधीन हैं। जिला और अधीनस्थ न्यायालय लगभग 4.8 से 4.9 करोड़ मुकदमे लंबित हैं। इसका मतलब है कि कुल मामलों का लगभग 90% हिस्सा जिला अदालतों में लंबित है, और केवल एक छोटा हिस्सा सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचता है। पिछले कुछ वर्षों में नए मुकदमों की संख्या बढ़ने के साथ पुरानी पेंडेंसी भी बढ़ी है। सुप्रीम कोर्ट के मामलों में लगभग 30% की वृद्धि 2021 के बाद से देखी गयी है, और निचली अदालतों में तो हजारों कारणों से लंबित मामलों का ढेर बढ़ा है।

लंबित मामलों की वृद्धि केवल संख्या नहीं है। यह समस्या जटिलताओं की वजह से भी है। बहुत से केस आसान नहीं होते – उनका तथ्य, गवाह और सबूत कठिन होता है, बार-बार तारीख बदलना स्थगन कोर्ट कार्यवाही को धीमा करता है, प्राथमिक साक्ष्य, अफ़सरों की उपलब्धता और पारिवारिक मतभेद जैसे कारण भी देरी बढ़ाते हैं। राज्य सरकारों, केंद्रीय संस्थान एजेंसियों के आपसी विवाद ही लटके रहते हैं। अदालतों में कुछ मुकदमे दशक या सदी से भी ऊपर समय से लंबित हैं।

2025-26 की स्थिति के अनुसार सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या लगभग 34 है और इस समय सभी कार्यरत हैं, लेकिन देश के हाई कोर्ट्स में लगभग 300 से अधिक जजों के स्थान खाली हैं। निचली जिला अदालतों में भी हजारों पद रिक्त हैं। विभिन्न राज्यों में 1000 से ऊपर जजों की रिक्त संख्या बतायी जाती है, जैसे उत्तर प्रदेश में 1055, गुजरात में 535, मध्य प्रदेश में 384 आदि रिक्त स्थान हैं। यह स्थिति बताती है कि कोर्ट में आज भी बहुत कम जज हैं, जबकि हर साल नए मामले दर्ज होते जाते हैं।

जजों की नियुक्ति मुख्य रूप से सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम व्यवस्था के तहत होती है, जिसमें मुख्य न्यायधीश और वरिष्ठ जज मिलकर नाम तय करते हैं।फिर यह नाम सरकार को भेजा जाता है – जहाँ समीक्षा, सत्यापन और अनुमोदन के लिये काफी समय लगता है। कई बार कॉलेजियम ने नाम भेजे, लेकिन सरकार ने अतिरिक्त प्रश्न पूछे या इसे नज़र में देर कर दी, जिससे नियुक्ति प्रक्रिया महीनों तक रुकी रहती है। कभी-कभी सिफारिश किये गये नामों पर अन्य जजों या पार्टियों के विवाद/आक्षेप उठते हैं, जिससे प्रक्रिया को और समय लगता है।इन सभी कारणों से जजों की नियुक्ति में महीनों से लेकर कभी-कभी सालों तक की देरी हो जाती है – जिससे रिक्त पद और देर से भरे जाते हैं, जबकि कार्यभार बढ़ता जा रहा होता है। सवाल यही है कि सत्ता व्यवस्था और समाज की प्राथमिकता क्या हो?

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

### विवेकानंद जयंती पर विशेष

# वेदांत से युवा शक्ति का अभ्युदय और स्वामी विवेकानंद का कालजयी दर्शन

दिलीप कुमार पाठक
पत्रकार

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना को वैश्विक पटल पर गौरवान्वित करने वाले युगपुरुष स्वामी विवेकानंद की जयंती, 12 जनवरी, देश के इतिहास में केवल एक तिथि नहीं बल्कि एक ऊर्जावान उत्सव है। जिसे हम राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाते हैं, वह वास्तव में उस महामानव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है जिसने सोए हुए भारत को उसकी अंतर्निहित शक्तियों से परिचित कराया। विवेकानंद ने जिस वेदांत दर्शन की व्याख्या की, वह हिमालय की गुफाओं तक सीमित रहने वाला शुष्क ज्ञान नहीं था, बल्कि वह एक व्यावहारिक वेदांत था जो खेत-खलिहानों, कारखानों और युवाओं के अंतर्मन में क्रांति लाने का सामर्थ्य रखता था। उन्होंने शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में जब मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों कहकर संबोधन शुरू किया, तो वह केवल शब्द नहीं थे, बल्कि अद्वैत वेदांत की वह अनुभूति थी जो पूरी सृष्टि को एक परिवार मानती है। उनके दर्शन का मूल आधार यह था कि प्रत्येक आत्मा दिव्य है और मनुष्य की कमजोरी केवल एक भ्रम है। उन्होंने निर्भीकता को धर्म का सार बताया और स्पष्ट किया कि जो विचार हमें शारीरिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक रूप से कमजोर बनाते हैं, उन्हें जहर समझकर त्याग देना चाहिए।

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं के लिए जो आदर्श स्थापित किए, उनमें सबसे महत्वपूर्ण था चरित्र निर्माण और आत्मविश्वास। वे अक्सर कहते थे कि जो व्यक्ति स्वयं पर विश्वास नहीं करता, वह ईश्वर पर भी विश्वास नहीं कर सकता। उन्होंने युवाओं को केवल किताबी ज्ञान का बोझ ढोने के बजाय एक ऐसा मनुष्य बनने की प्रेरणा दी जिसके पास लोहे की मांसपेशियां और फौलाद की नसें हों। विवेकानंद का मानना था कि भारत का पुनरुत्थान तभी संभव है जब युवा वर्ग अपनी सुख-सुविधाओं का त्याग कर दरिद्र नारायण यानी समाज के वंचित और पीड़ित वर्ग की सेवा में लग जाए। उनके अनुसार, शिक्षा वही है जो मनुष्य को अपने पैरों पर खड़ा करे और उसमें समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव जगाए। उन्होंने युवाओं को लक्ष्य के प्रति एकाग्र होने का वह महान मंत्र दिया, जिसमें एक विचार को अपना जीवन बनाने और उसी को जीने की बात कही गई है। उनके शब्द उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए आज 2026 के आधुनिक भारत में भी उतने ही जीवंत हैं, जितने एक शताब्दी पूर्व थे।

विवेकानंद का अध्यात्म पलायनवाद का मार्ग नहीं, बल्कि पुरुषार्थ का संदेश था। उन्होंने शरीर को आत्मा का मंदिर माना और शारीरिक सुदृढ़ता के लिए योग व व्यायाम को अनिवार्य बताया। उनका सुप्रसिद्ध आह्वान था कि गीता पढ़ने के बजाय फुटबॉल खेलकर आप स्वर्ग के अधिक निकट होंगे, जिसका अर्थ था कि जब तक शरीर बलिष्ठ और इंद्रियां वश में नहीं होंगी, तब तक गहन आध्यात्मिक सत्य को समझना असंभव है। उन्होंने राजयोग के माध्यम से मन के निग्रह और प्राणायाम व व्यायाम द्वारा प्राणशक्ति को संचित करने पर बल दिया, ताकि युवा कठिन पुरुषार्थ कर सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक देश के करोड़ों लोग भूख और अज्ञानता के अंधकार में डूबे हैं, तब तक हर वह शिक्षित व्यक्ति जो उनके उत्थान का प्रयास नहीं करता, वह देशद्रोही है।

स्वामी जी ने धर्म को कर्मकांडों की संकीर्णता से मुक्त कर उसे मानवतावाद की ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके लिए देशभक्ति केवल एक भावना नहीं, बल्कि जन-जन के प्रति गहरी संवेदना और उनके उत्थान का ठोस कार्य थी। वे चाहते थे कि भारत का युवा वर्ग विज्ञान की आधुनिकता और वेदांत की गहराई का सुंदर मेल बने। आज 2026 में, जब दुनिया तकनीकी क्रांतियों के दौर से गुजर रही है, तब विवेकानंद की शिक्षाएं हमें याद दिलाती हैं कि बिना नैतिकता और आध्यात्मिकता के तकनीक विनाशकारी हो सकती है। वास्तव में, स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाना किसी पुरानी परंपरा को दोहराना नहीं है, बल्कि एक आधुनिक और सशक्त भारत की नींव को मजबूत करना है। विवेकानंद की जयंती पर उनके विचारों का मनन करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है और विकसित भारत एवं मानवता के संकल्प की सिद्धि का एकमात्र मार्ग भी है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

### हेल्थ अलर्ट

# आम हो रहा महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर, सावधानी से हो सकता है बचाव

**दुनियाभर** में महिलाओं के लिए सर्वाइकल कैंसर एक बड़ा खतरा बना हुआ है। क्योंकि यह इनके अंदर होने वाला चौथा सबसे आम कैंसर है। अच्छी बात यह है कि इसे काफी हद तक रोक सकते हैं। अगर यह बीमारी शुरुआत में ही पकड़ ली जाए तो इलाज भी पूरी तरह संभव है। लेकिन जिन क्षेत्रों में संसाधन सीमित हैं, वहां यह एक मृत्यु का बड़ा कारण है। यह यूट्रस के निचले हिस्से में शुरू होता है, जिसे सर्विक्स या गर्भाशय ग्रीवा कहते हैं। यह एक संकरा हिस्सा होता है, जो गर्भाशय और योनि को जोड़ता है। जब इस सर्विक्स की सेल्स में असामान्य और अनियंत्रित विकास होता है, तो सर्वाइकल कैंसर बनता है।

कैंसर का यह प्रकार आम तौर पर ह्यूमन पैपिलोमावायरस (HPV) के लगातार इंफेक्शन की वजह से होता है। सामान्यतः यही एक कारण होता है। एचवीपी वायरस के कई सारे प्रकार होते हैं, लेकिन टाइप 16 और 18 दुनियाभर के 75 प्रतिशत से अधिक सर्वाइकल कैंसर के केस की वजह होते हैं। एचपीवी के गंभीर इंफेक्शन सेल्स के अंदर असामान्य विकास पैदा कर सकते हैं, इन पर ध्यान ना जाने या इलाज ना मिलने से यह धीरे धीरे कैंसर बन सकता है।

**मुश्किल नहीं बचाव के तरीके :** सर्वाइकल कैंसर को रोकना बहुत आसान है। इसके लिए दो प्रमुख तरीके महत्वपूर्ण होते हैं। सबसे पहले तो आपको एचपीवी की वैक्सीन लगवा लेनी चाहिए और हमेशा सुरक्षित यौन व्यवहार में रहें। दूसरा रेगुलर स्क्रीनिंग या जांच करवाएं। जिन लोगों को सर्वाइकल कैंसर का अधिक खतरा होता है, वो अपने डॉक्टर से पूछकर एक समय अंतराल का चुनाव कर सकते हैं।

**कौन से टेस्ट आएंगे काम?:** इस कैंसर को रोकने के लिए ये जांच और स्क्रीनिंग काम आ सकती हैं। एक तो एचपीवी टेस्टिंग, जिसमें शरीर में ज्यादा खतरनाक और कम खतरनाक वाले वायरस के टाइप की पहचान की जाती है। दूसरा पैप स्मीयर, जिसमें सेल्स में होने वाले बदलावों और उनकी गंभीरता को शुरुआत में ही पकड़ा जा सकता है, जिनमें आगे चलकर कैंसर बनने का खतरा होता है।

सर्वाइकल कैंसर की टेस्टिंग और स्क्रीनिंग के लिए नेशनल और इंटरनेशनल गाइडलाइन्स दी गई हैं। ये कहती हैं कि 30 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं को एचपीवी टेस्टिंग रेगुलर करवाने की जरूरत नहीं है।

### सुविचार

जो गिरने से डरते हैं, वे कभी उड़ान नहीं भर सकते।

–अज्ञात

### निशाना

## वक्त का है इशारा..!

धर्मराज देशराज

आ भी जाओ खुदारा नये साल में
दिल ने तुमको पुकारा नये साल में
फिर नये ग़म मिलेंगे पता है हमें
वक्त का है इशारा नये साल में
इल्तिज़ा है यही यार मिलकर रहें
ग़म न देना दुबारा नये साल में
ज़ख्म पिछले बरस के हरे हैं अभी
हौसला हमने हारा नये साल में
भीख में उनसे कोई ख़ुशी माँग लूँ
ये नहीं है ग़वारा नये साल में
राहबर ने सताया बहुत रहज़नों
अब तुम्हारा सहारा नये साल में
ज़ीस्त की उलझनों को भुलाकर 'धरम'
मुस्कुराओ खुदारा नये साल में।

### वायरल वीडियो

# ये है यूरोप का 'धारावी', कचरे के बीच बसी हैं बस्तियां, अतिक्रमण कर रह रहे हैं लाखों लोग

**दुनिया** में देशों को कई कैटेगोरी में बांटा गया है। कुछ विकसित हैं तो कुछ विकासशील। अमेरिका, रूस, यूरोप का नाम सुनकर हमारे जेहन में बड़ी-बड़ी इमारतें, साफ़-सुथरी सड़कें और लोगों की लग्जीरियस लाइफ आ जाती है। लेकिन क्या आपने कभी ये सोचा है कि इन देशों में रहने वाले गरीब लोगों का क्या हाल है? भारत में आपने कई बस्तियां देखी होंगी जहां गरीब बसते हैं। आपके घर के आसपास भी ऐसे कई स्लम होंगे। भारत में इन्हें देखना हमें नॉर्मल लगता है लेकिन इन दिनों सोशल मीडिया पर यूरोप के स्लम की तस्वीर और वीडियो खूब वायरल हो रही है।

यूरोप दुनिया से इन तस्वीरों को जरूर छिपाना चाहता होगा। आखिर इन्हें देखने के बाद लोगों का नजरिया जो बदल जाएगा। सोशल मीडिया पर जो यूरोप लोगों को दिखाया जाता है वो तरक्की कर चुका है। लेकिन ये तस्वीरें अंदर की सच्चाई बयान करती हैं। इस देश में बुल्गारिया के फाकुलटेटा में लाखों गरीब लोग रहते हैं। इनकी लाइफ किसी नर्क से कम नहीं है। कचरे के ढेर के बीच बने इनके घरों में सांस लेना भी दुश्वार है, लेकिन इनकी मज़बूरी ऐसी है कि उन्हें अपना जीवन ही वहां काटना पड़ता है।

नहीं है कोई सुविधाः इन लोगों को सरकार से कोई मदद भी नहीं मिलती। बस्तियों में रहने वाले ज्यादातर बच्चे स्कूल नहीं जाते। इन्हें रोमा के नाम से जाना जाता है। अगर आप इस इलाके में जाएं तो एक बार के लिए ऐसा लगेगा कि शायद आप भारत, बांग्लादेश या पाकिस्तान के स्लम में हैं। लेकिन असल में ये यूरोप है। यहां के लोग सरकारी सुविधाओं से दूर रहते हैं। ये भारत से अच्छी जिंदगी जीने का सपना लेकर गए थे लेकिन यहां आकर सारे सपने टूट गए। हजारों सालों के बाद भी इन्हें पराएपन का अहसास होता है। ठंड में तो यहां का जीवन और भी कठिन हो जाता है। गरीबी की वजह से छत भी प्लास्टिक की होती है, जिसकी वजह से अंदर ठिठुरने के अलावा इनके पास कोई ऑप्शन नहीं होता। लोग यूरोप का ऐसा हिस्सा देखकर हैरान रह गए। किसी को यकीन ही नहीं हो पाया कि ऐसा भी एक समुदाय इस जगह पर रहता है।

### यूजर्स गाइड

# माइक्रोवेव की सफाई में हुई लापरवाही तो ख़राब हो सकते हैं कोटिंग और पार्ट्स

**सर्दियों** के मौसम में गर्म खाना सबको पसंद है। इसके लिए घरों में माइक्रोवेव का बहुत इस्तेमाल होता है। हर तरीके का खाना माइक्रोवेव में गर्म किया जाता है। खाना गर्म करना तो बहुत आसान है, लेकिन कई बार खाना माइक्रोवेव में गिर जाता है और वह बहुत गंदा हो जाता है। माइक्रोवेव में खाना गर्म करना जितना आसान है, उसकी सफाई करना उतना ही कठिन होता है। कई लोग तो माइक्रोवेव साफ करते समय ऐसी गलतियां भी कर जाते हैं, जिससे उसकी कोटिंग और अंगर के पार्ट्स खराब हो जाते हैं। माइक्रोवेव की सफाई करते समय कुछ सावधानियां जरूरी हैं।

हर माइक्रोवेव के अंदर का हिस्सा अलग-अलग मटेरियल का बना होता है। कुछ माइक्रोवेव में स्टेनलेस स्टील होती है, जो दाग-धब्बों को आसानी से लगने नहीं देती और उसे साफ करना भी आसान होता है। वहीं, पुराने मॉडलों में पेंटेड या इनेमल वाली सतहें हो सकती हैं। पहले यह जाने के आपके माइक्रोवेव में अंदर क्या दिया गया है और फिर समझें कि किस तरह आप माइक्रोवेव को नुकसान पहुंचाए बिना उसे साफ कर सकते हैं।

**इन चीजों को निकालकर करें साफः** माइक्रोवेव में कई ऐसी चीजें होती हैं, जिन्हें बाहर निकालकर साफ किया जा सकता है। इनमें टर्नटेबल (घूमने वाली प्लेट), सपोर्ट रिंग या रोलर और रैक शामिल हैं। इन सभी को बाहर निकालें और अलग से धोएं। आमतौर पर, टर्नटेबल को डिशवॉशर में धोया जा सकता है। माइक्रोवेव ओवन की दीवारों, छत और दरवाजे को भी साफ करना जरूरी है। ध्यान रखें कि बिना टर्नटेबल के कभी भी माइक्रोवेव का इस्तेमाल ना करें। सफाई और सुखाने के बाद इसे तुरंत वापस लगा दें।

अगर ओवन या माइक्रोवेव को साफ करने के लिए ओवन क्लीनर का इस्तेमाल करते हैं तो इससे बचें। ये बहुत कठोर होते हैं और इन्हें उच्च तापमान के लिए बनाया जाता है। इन क्लीनर में आमतौर पर ऐसे केमिकल होते हैं, जो आपके माइक्रोवेव के अंदर की कोटिंग को नुकसान पहुंचा सकते हैं और जहरीले अवशेष छोड़ सकते हैं।

खुरदुरे स्क्रबर्स के बजाय मुलायम कपड़े, स्पंज या माइक्रोफाइबर तौलिये का उपयोग करें। स्क्रबर्स आपका माइक्रोवेव डैमेज कर सकता है। ब्लीच कुछ सतहों से कीटाणू को खत्म कर देता है, लेकिन यह माइक्रोवेव के लिए बहुत कठोर है और ऐसे तेज गंध आ सकती है। अमोनिया बेस्ड क्लीनर भी कुछ माइक्रोवेव फिनिश को नुकसान पहुंचा सकती है। किसी भी चीज को सीधे वेंट या कंट्रोल पैनल वाले हिस्से पर स्प्रे नहीं करना चाहिए, क्योंकि पानी अंदर जाकर बिजली के पार्ट को नुकसान पहुंचा सकता है। इन सभी बातों का ध्यान रखकर ओवन को सुरक्षित तरीके से साफ कर सकते हैं।

## न्यूज विंडो

### सामूहिक सूर्य नमस्कार में सांसद माया नारोलिया ने की भागीदारी

**नर्मदापुरम।** स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस पर युवा दिवस के उपलक्ष्य में जिले में जिला स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का भव्य आयोजन शासकीय पीएम श्री नर्मदा महाविद्यालय में किया गया। इस कार्यक्रम में जिले की सभी शासकीय व अशासकीय शिक्षण संस्थाओं के छात्र-छात्राओं ने एक साथ एक ही संकेत पर सूर्य नमस्कार कर शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक सुदृढ़ता के साथ अनुशासन की भावना को मजबूत किया।राज्यसभा सांसद माया नारोलिया विशेष रूप से कार्यक्रम में शामिल हुईं। जिला प्रशासन के अधिकारी जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एडीएम राजीव रंजन , एएसपी अभिषेक राजन, जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रजापति सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी सूर्य नमस्कार में सहभागी बने। हजारों की संख्या में स्कूली बच्चे उपस्थित होकर सूर्य नमस्कार के साथ प्राणायाम का अभ्यास किया।

### बाबा के दरबार की परिक्रमा कर किया भजन-कीर्तन

**सिरोंज।** बाबा विश्वनाथ की नगरी देवपुर में लगने वाले मकर संक्रांति मेले का ध्वजारोहण रविवार को जनपद अध्यक्ष पुष्पाबाई यादव ने किया। बाबा विश्वनाथ के दरबार देवपुर में हर साल मकर संक्रांति पर 6 दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है। यह मेला जनपद पंचायत द्वारा आयोजित किया जाता है। इस बार भी मेले को लेकर जनपद प्रबंधन द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसी क्रम में रविवार को देवपुर पहुंची जनपद अध्यक्ष पुष्पाबाई यादव ने ध्वज लेकर बाबा विश्वनाथ दरबार की परिक्रमा की। इस दौरान उनके साथ चल रहे विधायक प्रतिनिधि हमीरसिंह यादव, जनपद सदस्य कलेक्टर सिंह यादव एवं द्रोपदी प्रताप लोधी तथा अन्य जनप्रतिनिधि भी कीर्तन करते हुए चल रहे थे। ध्वज परिक्रमा पूरी करने के बाद उन्होंने बाबा के दरबार में ही ध्वजरोहण किया। इसके बाद उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ बाबा विश्वनाथ की पूजा-अर्चना भी की। जनपद पंचायत द्वारा आयोजित यह मेला 11 से 16 जनवरी तक आयोजित किया जाता है। इस बार भी मकर संक्रांति पर्व 14 और 15 जनवरी को मनाया जाएगा और इस कारण दोनों ही दिन संक्रांति के स्नान होंगे। इसके साथ ही 18 जनवरी को मौनी अमावस्या भी है। इस दिन भी तीर्थ क्षेत्र में स्नान का विशेष धार्मिक महत्व होता है। ऐसे में इस बार यह मेला 18 जनवरी तक जगमग रहना तय माना जा रहा है। जनप्रतिनिधियों ने व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की।

### मंडीदीप में बसंत पंचमी पर विराट हिंदू सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर

**मंडीदीप।** औद्योगिक नगर मंडीदीप में आगामी बसंत पंचमी के अवसर पर सकल हिंदू समाज के तत्वावधान में एक भव्य और विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। यह आयोजन दशहरा मैदान पर दोपहर 1 बजे से शुरू होगा, जिसमें शहर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग शामिल होने वाले हैं। आयोजकों के अनुसार, इस विराट सम्मेलन में 50 हजार से अधिक लोगों के जुटने की संभावना है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा व्यापक स्तर पर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को दशहरा मैदान पर धर्म ध्वजा की स्थापना का विशेष कार्यक्रम रखा गया है, जो आयोजन की शुरुआत का प्रतीक होगा। सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना, जाति-पात के भेदभाव को समाप्त करना और संगठित और जागरूक हिंदू समाज का निर्माण करना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आयोजन समिति द्वारा शहर की विभिन्न बस्तियों में मोहल्ला बैठकें, युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम और मातृ शक्ति से विशेष चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं। अभी भी छोटे-छोटे स्तर पर हिंदू सम्मेलन हो रहे हैं, जो 23 जनवरी के महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन की नींव तैयार कर रहे हैं। सम्मेलन में संगत के साथ पंगत का भी भव्य आयोजन होगा, जिसमें सभी प्रतिभागी एक साथ बैठकर भोजन ग्रहण करेंगे। यह एकता और समानता का जीवंत प्रतीक होगा। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि यह सम्मेलन धर्म, संस्कृति और राष्ट्र को एक मंच पर लाने का ऐतिहासिक प्रयास है। समस्त हिंदू समाज से सपरिवार अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है।

### नपा ने शुरू किया पेयजल लाइनों में लीकेज दूर करने का विशेष अभियान

**मंडीदीप।** नगर पालिका ने शहरवासियों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान छेड़ दिया है। इस अभियान के तहत पेयजल वितरण लाइनों में हो रही लीकेज को तुरंत ठीक करने के साथ ही सीवर लाइनों से दूर रखने का काम तेजी से किया जा रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रशांत जैन ने बताया कि शहर के सभी 26 वार्डों में जहां भी गंदा पानी आने, मुख्य पेयजल लाइनों या वितरण लाइनों में लीकेज की समस्या सामने आ रही थी, उसे प्राथमिकता पर ठीक कराया जा रहा है। साथ ही, नालियों के भीतर से

गुजर रही पेयजल लाइनों को ऊपर उठाकर अलग किया जा रहा है, ताकि सीवर का दूषित पानी पेयजल में न मिल सके। सीएमओ ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि नपा का मुख्य लक्ष्य शहर के हर घर तक स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करना है। लीकेज की वजह से पानी की बर्बादी के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ रही थीं। हमारी अलग-अलग टीमें लगातार विभिन्न वार्डों में काम कर रही हैं और जल्द ही इन समस्याओं का स्थायी समाधान कर दिया जाएगा। आपको बता दें कि यह अभियान हाल के दिनों में इंदौर में सामने आई दूषित पानी की कई शिकायतों के बाद तेज किया गया है।

### राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित हुए कार्यक्रम

# 'पंच परिवर्तन' से भारत को परम वैभव पर ले जाने का लिया संकल्प

**अमित श्रीवास्तव। औबेदुल्लागंज**

औबेदुल्लागंज (हिरानियाँ) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत आज नगर के हिरानियां दशहरा मैदान में 'सकल हिंदू समाज' के आह्वान पर एक भव्य एवं दिव्य हिंदू सम्मेलन संपन्न हुआ। हजारों की संख्या में पहुंचे सनातनियों ने इस दौरान राष्ट्र रक्षा और संगठन की शक्ति का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर में महिलाओं द्वारा निकाली गई भव्य कलश यात्रा से हुआ। सिर पर मंगल कलश धारण किए मातृशक्ति ने पूरे नगर में सनातन संस्कृति की अलख जगाई। यात्रा के पश्चात सभी सनातनी बंधु दशहरा मैदान स्थित मुख्य कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जहां भजनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय कर दिया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रांत सह-कार्यवाह संतोष मीणा ने संघ की 100 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'आज दुनिया के केंद्र में भारत है और भारत के केंद्र में संघ। पांच पीढ़ियों के तप और समर्पण से संघ आज इस वटवृक्ष के रूप में खड़ा है।' उन्होंने बताया कि पहली पीढ़ी ने बीजारोपण किया। दूसरी व तीसरी पीढ़ी ने प्रचार और संगठन को मजबूती दी। चौथी पीढ़ी ने कार्यकर्ता निर्माण किया। पांचवीं पीढ़ी अब 'भारत को संघमय' बनाने के मिशन में जुटी है।

प्रांत सह कार्यवाह मीणा ने शताब्दी वर्ष के निमित्त 'पंच परिवर्तन' पर जोर देते हुए कहा कि कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, नागरिक शिष्टाचार, पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी के माध्यम से संघ की विचारधारा को समाज की विचारधारा बनाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस दिन समाज संघ की तरह सोचने लगेगा, उस दिन संघ का उद्देश्य पूर्ण हो जाएगा। पड़ोसी देशों में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों का उल्लेख करते हुए मुख्य वक्ता ने चेतावनी दी कि यदि हिंदू समाज जातियों और पंथों में बंटा रहा, तो परिस्थितियां विकट हो सकती हैं। उन्होंने 'बटोगे तो कटोगे' के नारे को आज की आवश्यकता बताते हुए कहा कि सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए शक्ति संपन्न और संगठित होना अनिवार्य है। हजारों की संख्या में उपस्थित जनसमुदाय ने कार्यक्रम के उपरांत आयोजित भव्य भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस आयोजन ने न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक एकता का भी एक बड़ा संदेश दिया। आयोजन को सफल बनाने में सकल हिंदू समाज के कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों का विशेष योगदान रहा।

### अवैध उत्खनन की कीमत खनिज विभाग ने तय किया 1.69 लाख रुपए जुर्माना

**नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो**

सर्किट हाउस के पास कंकर घाट पर पिचिंग निर्माण के नाम पर बड़े पैमाने पर अवैध बजरी उत्खनन का मामला सामने आया है। जल संसाधन विभाग के ठेकेदार मेसर्स एससी नागपाल कंस्ट्रक्शन ने बिना खनिज विभाग की अनुमति के नर्मदा घाट के प्राकृतिक स्वरूप को नुकसान पहुंचाया। बजरी को पिचिंग, सड़क निर्माण और फिलिंग में इस्तेमाल किया गया और यह सब अफसरों की नाक के नीचे हो रहा था।शिकायतों के बाद जिम्मेदार जागे और निरीक्षण कर पंचनामा बनाया गया। पंचनामे की कार्रवाई के करीब 10 -11 दिन बाद खनिज विभाग के प्रमुख ने अवैध उत्खनन करने बाली फर्म पर मात्र 1.69 लाख रुपये के जुर्माने का प्रस्ताव एडीएम को भेजा। सवाल उठता है कि इतने बड़े नुकसान पर सजा इतनी मामूली क्यों? अगर यही सिलसिला चला तो ठेकेदार बिना अनुमति के करोड़ों का उत्खनन कर लाखों का जुर्माना देकर काम चलाते रहेंगे।उल्लेखनीय है कि कंकर घाट पर साढ़े पांच सौ मीटर लंबी पिचिंग का निर्माण पिछले दो साल से चल रहा है। ठेकेदार ने पत्थर 80 किमी दूर से मंगवाए, लेकिन बजरी बाहर से रॉयल्टी देकर लाने के बजाय घाट को ही खोद लिया। नियमों के अनुसार उत्खनन के लिए खनिज विभाग से अनुमति अनिवार्य है, जिसकी ठेकेदार ने पूरी तरह उपेक्षा की।नेताओं की शिकायत पर कार्रवाई- मामला तब सुर्खियों में आया जब भाजपा मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत और अखिलेश खंडेलवाल ने जिला खनिज अधिकारी को लिखित शिकायत दी। 30 दिसंबर को जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम, तहसीलदार सरिता मालवीय, खनिज निरीक्षक केके परस्ते और आरआई ने निरीक्षण किया। पंचनामा बना, लेकिन केस दर्ज करने में खनिज अधिकारी को एक सप्ताह से ज्यादा समय लग गया। जिला खनिज अधिकारी का कहना है कि प्रस्ताव एडीएम को भेजा गया है और जुर्माना वे तय करेंगे। ठेकेदार मेसर्स एससी नागपाल कंस्ट्रक्शन पर भेजे गए जुर्माने का प्रस्ताव की कार्रवाही एडीएम करेंगे।

### पंच परिवर्तन से होगा समाज में नवचेतना का संचार: जोशी

**सिरोंज। दोपहर मेट्रो**

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के एक दिन पूर्व रविवार को केशव बस्ती में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। नगर के बस स्टैंड पर स्थित पालीवाल गार्डन में आयोजित हुए हिंदू सम्मेलन में शामिल वार्ड क्रमांक एक एवं दो के हिन्दू परिवारों के नागरिकों ने सहभागिता की। सम्मेलन में मुख्य वक्ता विभाग कार्यवाह नवीन जोशी ने पंच परिवर्तन के महत्व से अवगत कराते हुए समाज में समरसता, पर्यावरण का संरक्षण,नागरिक कर्तव्य, स्व का बोध एवं कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से राष्ट्र कल्याण के धर्म को आचरण में लाने का आग्रह किया। इस दौरान आयोजन स्थल के भव्य केसरिया ध्वज पताकाओं से सजाया गया था।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित हो हिन्दू सम्मेलन में केशव बस्ती के नागरिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संघ की मूल अवधारणा समस्त हिंदुओं को एकता एवं उनके नैतिक दायित्वों का अनुसरण करने की हैं। हिंदू सम्मेलन के मुख्य अतिथि परसौरा सिद्ध आश्रम के महंत समझे मेहता ने आदि शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन से संघ की समानता की। प्रमुख रूप से आयोजन समिति के संयोजक सत्यनारायण शर्मा, हिंदू सम्मेलन के संरक्षक रामबाबू शास्त्री, आयोजन समिति की सह संयोजक माधुरी खोडके उपस्थित रही। हिंदू सम्मेलन के दौरान भारत माता की आरती के पश्चात केशव बस्ती का समरसता भोज का आयोजन भी किया गया। जिसमें बस्ती के सभी जाती वर्ग ने नागरिकों एवं माता बहनों ने सामूहिक रूप से एक साथ भोजन प्रसादी ग्रहण की। आयोजन समिति द्वारा सामूहिक रूप से भोजन कार्यक्रम के लिए व्यापक तैयारियां की थी।

### जब हिंदू संगठित होता है तभी राष्ट्र सशक्त बनता है

**गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो**

स्थानीय मानस भवन में रविवार को आयोजित हुए शीतला बस्ती के हिंदू सम्मेलन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि जब हिंदू समाज संगठित होता है, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता मध्य भारत प्रांत के सह शारीरिक प्रमुख त्रिवेश लोधी ने कहा कि हिंदू समाज की एकता का ही परिणाम है कि पांच सौ साल के संघर्ष के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हुआ और कश्मीर से धारा 370 समाप्त हो सकी। लोधी ने दो टूक कहा कि भारत कोई भूमि का टुकड़ा नहीं, बल्कि माता है। भारत विश्व कल्याण की कामना करने वाला एकमात्र देश है। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी किसी देश पर वर्चस्व के लिए शस्त्र नहीं उठाए, बल्कि ज्ञान और शांति का संदेश दिया। स्वामी विवेकानंद इसी संदेश को लेकर विदेश गए थे। यही सनातन भाव भारत को विश्व से अलग बनाता है। उन्होंने कहा कि जहां सशक्त देश अपने हित में सीमाएं बंद करते हैं या दूसरों को नुकसान पहुंचाते हैं, वहीं भारत सशक्त होकर भी विश्व को ज्ञान, विज्ञान और शांति का संदेश देता है। यही भारत की पहचान है। सम्मेलन में भागवताचार्य मानसरत्न पंडित भगवान प्रसाद शास्त्री ने अतिथि वक्ता के रूप में सम्मेलन को सम्मिलित करते हुए कहा कि जब तक हिंदू समाज एक संगत और एक पंगत में नहीं बंधेगा, तब तक चुनौतियां बनी रहेंगी। जात-पात से ऊपर उठकर एक परिवार, एक मोहल्ला और एक राष्ट्र बनने का समय आ गया है। समरसता भोज में 3 हजार लोगों ने प्रसादी ग्रहण की।

### नागर मंडल दीपाखेड़ा प्रथम विजेता, शिव ज्योति सरगम मंडल रहा द्वितीय

**नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो**

ग्राम होरियापीपर मेहराघाट में उजाड़मल बाबा सेवा समिति और भाजपा नेता राहुल सिंह सोलंकी के संयोजन में आयोजित तीन दिवसीय पारंपरिक भजन मंडल प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ।सनातन धर्म की रक्षा और भजन कला को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 11वां वर्ष मे आयोजित प्रतियोगिता मे नर्मदापुरम सहित आसपास के जिलों से करीब 30 भजन मंडलों ने भाग लिया। पांच राउंड में भक्ति, सुर, ताल और प्रस्तुति के आधार पर निर्णायकों ने मूल्यांकन किया। प्रथम नागर मंडल दीपाखेड़ा को 51 हजार, द्वितीय शिव ज्योति सरगम मंडल तिलाड़िया को41 हजार, तृतीय शिव शक्ति मंडल नाहरकोला 31 हजार, चतुर्थ ठाकुर मंडल हिग्नासर को 25 हजार, पंचम महावीर मंडल सोयत को 21 हजार रुपये और शेष 20 मंडलों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए।

### विधायक, कलेक्टर और एसपी ने सभास्थल का लिया जायजा

## मुख्यमंत्री के माखननगर कार्यक्रम की तैयारियों की ली जानकारी, कहा-सुरक्षा के हों पुख्ता इंतजाम

**नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो**

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 जनवरी को नर्मदापुरम जिले के माखननगर में प्रस्तावित कार्यक्रम में लाडली बहना योजना की हितग्राहियों के बैंक खातों में सिंगल क्लिक से राशि अंतरित करेंगे। वे करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे तथा आमसभा को संबोधित भी करेंगे। मुख्यमंत्री शहर में आयोजित रैली में शामिल होकर सभा स्थल तक पहुंचेंगे। मुख्य कार्यक्रम सांदीपनि विद्यालय के समीप खेल मैदान में होगा। इससे पूर्व वे पीडब्ल्यूडी द्वारा नवनिर्मित गेस्ट हाउस का लोकार्पण करेंगे तथा राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा स्थल पर भी कार्यक्रम में सहभागी होंगे। जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन नोडल अधिकारी के रूप में सभी तैयारियों की मॉनिटरिंग करेंगे।रविवार को कलेक्टर सोनिया मीना एवं पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस थोटा और विधायक विजय पाल सिंह ने सभा स्थल एवं अन्य जगहों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं पर दिशा-निर्देश दिए। नगर पालिका में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों को समयबद्ध तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।लोक निर्माण विभाग को कार्यक्रम संबंधी सभी कार्य शीघ्र पूर्ण करने, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को शुद्ध पेयजल, नगर पालिका को स्वच्छता एवं ट्रैफिक प्लान, एमपीईबी को विद्युत व्यवस्था तथा पुलिस को सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के निर्देश दिए गए। एसपी ने स्पष्ट कहा कि एक दिन पूर्व सभी तैयारियां पूरी हो जाएं, कोई कार्य अंतिम समय पर न छोड़ा जाए।बैठक में सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एडीएम राजीव रंजन पांडे, सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र सिंह, अनुविभागीय अधिकारी जय सोलंकी, तहसीलदार महेंद्र चौहान सहित अन्य उपस्थित रहे।

**मेट्रो एंकर**

### महामृत्युंजय रथ यात्रा में उमड़ा आस्था का महासैलाब

# पौराणिक धर्मनगरी महेश्वर शिव भक्ति के रंग में रंगी

**महेश्वर। दोपहर मेट्रो**

ऐतिहासिक और पौराणिक धर्मनगरी महेश्वर रविवार को पूरी तरह शिव भक्ति के रंग में रंगी नजर आई। अवसर था 20वीं भव्य महामृत्युंजय रथ यात्रा का, जिसमें नगर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण अंचलों से भी हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। दोपहर 3 बजे स्वाध्याय भवन महालक्ष्मी नगर से भगवान महामृत्युंजय का रथ वैदिक मंत्रोच्चार और विधिविधान के साथ रवाना हुआ। रथ के निकलते ही पूरा नगर 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठा।

रथ यात्रा स्वाध्याय भवन से प्रारंभ होकर धामनोद मार्ग, जय स्तंभ चौराहा, महात्मा गांधी मार्ग और बाजार चौक होते हुए नर्मदा मार्ग पहुंची। यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं ने पलक-पावड़े बिछाकर रथ का स्वागत किया। जगह-जगह पुष्पवर्षा की गई। भजन मंडलियों की सुमधुर प्रस्तुतियों पर युवा, महिलाएं और बुजुर्ग श्रद्धालु भक्ति में झूमते नजर आए। नगरवासियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठानों के बाहर दीप प्रज्वलित कर रथ यात्रा का अभिनंदन किया। यात्रा के दौरान सामाजिक समरसता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। विभिन्न समाजों के लोगों ने कंधे से कंधा मिलाकर रथ खींचा और भाईचारे व एकता का संदेश दिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी के बावजूद यात्रा पूरी तरह अनुशासित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरे मार्ग पर मुस्तैद रहा। शाम ढलते ही रथ यात्रा पवित्र नर्मदा तट पहुंची, जहां भक्ति अपने चरम पर नजर आई। नर्मदा घाट पर हजारों श्रद्धालुओं ने एक साथ दीप प्रज्वलित कर भगवान महामृत्युंजय की भव्य काकड़ आरती उतारी। दीपों की रोशनी से पूरा घाट आलोकित हो उठा और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बन गया। न्यास अध्यक्ष भगवान दास भलिका एवं संस्थापक मानसी अलंकार ने बताया कि महामृत्युंजय रथ यात्रा का उद्देश्य समाज में धर्म, आस्था और सामाजिक समरसता का भाव जागृत करना है। यह यात्रा बीते 20 वर्षों से निरंतर आयोजित की जा रही है, जिसमें हर वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। आयोजन के सफल समापन पर श्रद्धालुओं और सेवाभावियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

## न्यूज विंडो

### सेवा ही संगठन के मंत्र से बूथ स्तर तक अभेद्य बनेगी भाजपा: लारिया

**सागर।** नरयावली विधानसभा क्षेत्र में सांगठनिक सक्रियता और कार्यकर्ताओं के मनोबल को नई ऊँचाई देने के उद्देश्य से रविवार को विधायक इंजी.प्रदीप लारिया ने विभिन्न शक्ति केंद्रों की महत्वपूर्ण बैठकें ली। रजाखेड़ी स्थित विधायक कार्यालय, परेट मंदिर (सदर मंडल) और सिद्धेश्वर मंदिर प्रांगण में आयोजित इन बैठकों में विधायक लारिया ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया। बैठकों को संबोधित करते हुए विधायक लारिया ने स्पष्ट किया कि संगठन की शक्ति उसके कार्यकर्ताओं की सक्रियता और सामूहिक नेतृत्व में निहित है। विधायक ने कार्यकर्ताओं को सेवा ही संगठन का मूल मंत्र देते हुए आह्वान किया कि विधानसभा के प्रत्येक शक्ति केंद्र से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को इतना अभेद्य बनाया जाए कि जनसेवा का संकल्प घर-घर तक पहुँचे। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने के निर्देश दिए।

### चाइनीज मांझे के साथ पुलिस ने दो युवकों को किया गिरफ्तार

**धार।** कोतवाली पुलिस ने प्रतिबंधित चाइनीज डोर के विरुद्ध विशेष अभियान चलाते हुए दो युवकों को चाइनीज डोर बेचते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध मांझा जब्त किया है। पुलिस को मुखबिर से मिली थी कि लालबाग में दो व्यक्ति चाइनीज डोर बेचने के लिए खड़े हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां एक सफेद रंग के स्कूटर की डिक्की से हीरो प्लस कंपनी की प्रतिबंधित चाइनीज डोर के 03 गट्टे बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से दीपू उर्फ दीपक राठौर निवासी गंजीखाना और कृष्णा डांगी निवासी दशहरा मैदान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 223 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया है। थाना कोतवाली पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे चाइनीज डोर का उपयोग न करें और इसकी खरीद-फरोख्त से दूर रहें। ऐसी किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। कार्रवाई में थाना प्रभारी दीपकसिंह चौहान सहित प्रधान आरक्षक अरविंद चौहान, अजयसिंह चौहान, आरक्षक रामनरेश यादव एवं राममूर्ति रावत का सराहनीय योगदान रहा।

### 23 साल बाद दुर्लभ संयोग: सर्वार्थ और अमृत सिद्धि के योग में मंकर संक्रांति पर्व

**तेंदूखेड़ा।** वर्ष 2026 की मकर संक्रति आध्यात्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद विशिष्ट होने जा रही है। इस वर्ष सूर्य का मकर राशि में प्रवेश 14 जनवरी को हो रहा है, जो अपने साथ 23 वर्षों बाद एक दुर्लभ संयोग लेकर आ रहा है। इस संयोग में सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग का मेल हो रहा है। मृदुल नक्षत्र अनुराधा में होने वाली यह संक्रांति विशेष फलदायी है। इस बार मकर संक्रांति और षटतिला एकादशी एक ही दिन पड़ रही हैं एकादशी के धार्मिक नियमों के कारण इस बार संक्रांति पर पारंपरिक चावल वाली खिचड़ी के सेवन पर निषेध रहेगा। पंडित गोपाल शास्त्री जी के अनुसार, सूर्य देव 14 जनवरी बुधवार को दोपहर 03.13 बजे मकर राशि में प्रवेश करेंगे चूंकि सूर्य का प्रवेश दोपहर में हो रहा है, इसलिए संक्रांति का मुख्य पुण्य काल और स्नान-दान 14 जनवरी को ही मान्य होगा 15 जनवरी के सूर्योदय के साथ पुण्य काल समाप्त हो जाएगा, अतः पर्व 14 जनवरी को मनाना ही शास्त्र सम्मत है। मेष राशि वालों के कॅरियर में ऊंचाईयां और अप्रत्याशित धन लाभ का योग बनेगा वृषभ राशि के लोगों को भाग्य का साथ मिलेगा आए के नए स्त्रोत खुलेंगे कर्क राशि वालों के अटके काम पूरे होंगे मकर राशि वालों के आत्मविश्वास और सामाजिक स मान की प्राप्ति होगी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, एकादशी के दिन चावल का सेवन वर्जित होता है चूंकि इस वर्ष संक्रांति और एकादशी एक ही दिन है इसलिए चावल वाली खिचड़ी खाना दोषपूर्ण माना जाएगा भक्तों के लिए शास्त्र सम्मत समाधान इस प्रकार है। 14 जनवरी को चावल के स्थान पर साबूदाना या कुट्ट की खिचड़ी का सेवन करें। खिचड़ी (चावल-दाल) का दान 14 जनवरी को ही करें, क्योंकि दान करने में कोई निषेध नहीं है। जो लोग व्रत नहीं रखते वे खिचड़ी स्पर्श कर गौ माता को खिला दें और स्वयं अगले दिन 15 जनवरी को पारण के समय खिचड़ी ग्रहण करें

### रेलवे पुलिया मार्ग पर मिला युवक का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

**इटारसी।** सोमवार सुबह इटारसी के न्यास कॉलोनी बाईपास से रेलवे पुलिया की ओर जाने वाले मार्ग पर एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की शिनाख्त मोहित पिता बट्टू चौधरी (30 वर्ष), निवासी ग्राम कांसखेड़ा, तहसील माखननगर (बाबई) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार शनिवार को मोहित अपने मामा और भाई से मिलने ग्राम सोना सांवरी आया था, जो वहां प्राइवेट नौकरी करते हैं। रविवार को वह अपनी बाइक से वापस अपने गांव कांसखेड़ा के लिए निकला था, लेकिन घर नहीं पहुंचा। सोमवार सुबह राहगीरों ने रेलवे पुलिया के पास खेड़ा क्षेत्र में उसका शव पड़ा देखा। पास ही उसकी बाइक भी गिरी हुई मिली। घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए मामला दुर्घटना और हत्या के बीच उलझा हुआ है। मोहित के चेहरे पर गहरे और गंभीर चोट के निशान मिले हैं, पुलिस को संदेह है कि शायद नशे की हालत में बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई होगी, जिससे यह जानलेवा चोट आई। हालांकि, मौके की संदिग्ध परिस्थितियों को देखते हुए अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। सूचना मिलते ही एसडीओपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा और टीआई गौरव सिंह बुंदेला अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच रहे हैं। एस.आई. रजक प्राथमिक जांच कर रहे हैं। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। मोहित का एक छोटा भाई रोहित चौधरी है। थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि युवक अपने रिश्तेदार के यहां आया हुआ था, प्रथम दृष्टा एक्सीडेंट की वजह से मौत होना लग रहा है, युवक ने शराब पी रखी थी। इसकी पुष्टि हुई है, पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है।

### सागर-जबलपुर स्टेट हाईवे 15 पर हुआ सड़क हादसा

# अज्ञात वाहन की टक्कर से किसान की मौत, रातभर सड़क किनारे पड़ा रहा शव

**सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और 108 वाहन, घटना की जांच में जुटी पुलिस**

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

सागर जबलपुर स्टेट हाईवे 15 पर आज सड़क पर सड़क किनारे एक किसान का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना राहगीरों द्वारा 108 वाहन और तेंदूखेड़ा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और 108 वाहन मौके पर पहुंचे और शव को स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।

जानकारी अनुसार सोमवार की सुबह 9 बजे 108 वाहन के पायलट नरेश अठ्या और डॉ. संदीप लोधी को सूचना मिली थी एक व्यक्ति घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़ा हुआ है जहां सूचना मिलते ही 108 वाहन मौके पर पहुंचा। साथ ही सूचना पर तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी रावेन्द्र बागरी भी अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे, जहां घायल व्यक्ति मृतक अवस्था में था पड़ा हुआ था। व्यक्ति की पहचान बगदरी निवासी भगवानदास पिता डेलन गौड़ उम्र 55 वर्ष निवासी बगदरी थाना तेंदूखेड़ा के रूप में हुई, जहां से शव को उठाकर 108 की मदद से स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। साथ ही मृतक के परिजन भी तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और थाना जाकर रिपोर्ट दर्ज कराकर आगे की कार्रवाई शुरू की गई। घटना के संबंध में मृतक के बेटे करोड़ी गौड़ ने बताया कि पापा रविवार को गांव के ही अन्य लोगों के साथ ट्रैक्टर से धान की दराई कराने के लिए झलौन गांव गए थे। उन्होंने अपनी धान की दराई कराकर गांव के ही ट्रैक्टर से भेज दी थी और वह झलौन में कुछ काम से रुक गए और कुछ समय बाद आने को कहा था,लेकिन रातभर पापा घर नहीं पहुंचे तो सोचा बुआ के यहां पर रुक गई होंगे, लेकिन सुबह सूचना मिली तो मौके पर जाकर देखा तो उनका शव सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ा हुआ था। बेटे ने बताया कि वह खेती-किसानी करते थे और किसान थे खेती-बाड़ी से ही अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे।

पुलिस द्वारा पंचनामा कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम शव को पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर आगे की कार्रवाई शुरू कर अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी रावेन्द्र बागरी ने बताया सुबह सूचना मिली थी झलौन मार्ग पर सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा है मौके पर जाकर जांच-पड़ताल शुरू की घटना को देखकर यह प्रतीत होता है।

#### घटना स्थल पर नहीं मिला कोई वाहन

घटनास्थल पर कोई भी नहीं मिलने से अंदाजा लगाया जा रहा है कि किसान भगवानदास गौड़ झलौन से अपने घर पैदल आ रहे होगे क्योंकि झलौन से शाम 5 बजे के बाद कोई भी बस आने जाने के लिए नहीं मिलती है साथ ही कोई वाहन नहीं मिलने के कारण वह पैदल घर आ रहे होगे जहां किसी अज्ञात वाहन द्वारा उनको टक्कर मार दी और वह रातभर सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़े रहेंगे होंगे और इलाज नहीं मिलने से उनकी मौत हो गई क्योंकि जिस स्थान पर यह घटना हुई है वहां पर देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है मृतक घायल अवस्था में रातभर सड़क किनारे पड़ा रहा होगा और किसी भी राहगीर और लोगों द्वारा देखा नहीं गया या फिर ठंड के कारण सुनसान इलाके में पड़े रहने से उनको समय पर इलाज नहीं मिलने से उनकी मौत हो गई घटना झलौन तेंदूखेड़ा मार्ग पर स्थित पानी की टंकी के पास तिपनी चौराहे के समीप हुई है अगर घायल व्यक्ति पर समय रहते ही इलाज मिल जाता तो शायद जान बच जाती।

### 1600 मेगावाट का खेल उजागर

## पर्यावरणीय अपराध की ओर बढ़ता टोरेंट पावर प्रोजेक्ट

**अनूपपुर। दोपहर मेट्रो**

टोरेंट पावर लिमिटेड द्वारा अनूपपुर जिले में प्रस्तावित न्यू ज़ोन थर्मल पावर प्लांट (1600 मेगावाट) अब 'विकास परियोजना' नहीं, बल्कि संभावित पर्यावरणीय अपराध के रूप में सामने आ रहा है। कंपनी के कार्यकारी सारांश और ज़मीनी सच्चाई के तुलनात्मक अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि यह परियोजना भूमि कानून, जल अधिकार, पर्यावरण संरक्षण और जनसुनवाई–चारों स्तंभों का उल्लंघन करती प्रतीत होती है।

सबसे गंभीर तथ्य यह है कि लगभग 12 वर्ष पूर्व किसानों से भूमि अधिग्रहण 1350 मेगावाट क्षमता को आधार बनाकर किया गया था। अब उसी भूमि को बिना पुनः सहमति, बिना सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन और बिना नए अधिग्रहण नोटिफिकेशन के सीधे 1600 मेगावाट क्षमता वाले प्रोजेक्ट में तब्दील कर दिया गया। विशेषज्ञ इसे भूमि अधिग्रहण अधिनियम की अवहेलना, किसानों से छल और पर्यावरणीय स्वीकृति में तथ्य छुपाने का मामला मान रहे हैं। परियोजना के लिए प्रतिदिन 72,456केएलडी पानी सोन नदी से लेने का प्रस्ताव है, जबकि सोन नदी का 80% जल 1972 के अंतर-राज्यीय समझौते के तहत पहले से आरक्षित है।शेष 20% पानी भी अमलई सोडा फैक्ट्री और मोजर बेयर पावर प्लांट द्वारा पहले ही उपयोग में है।अर्थात्, नदी में अतिरिक्त पानी है ही नहीं। इसके बावजूद परियोजना को आगे बढ़ाना यह दर्शाता है कि–या तो दस्तावेज़ों में जानबूझकर गलत तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं, या फिर भविष्य में सोन नदी पर नया बैराज/डैम बनाकर प्राकृतिक प्रवाह को रोका जाएगा।दोनों ही स्थितियां डाउनस्ट्रीम किसानों, पेयजल और जैव विविधता के लिए विनाशकारी हैं। कागजों में कोयला परिवहन रेलवे से दिखाया गया है, लेकिन धूर्वासिन रेलवे स्टेशन से प्लांट लगभग 15 किमी दूर है।यह दूरी हज़ारों भारी ट्रकों से तय की जाएगी। इसके बहुत ही भयावह परिणाम आएंगे।

### मकर संक्रांति पर्व पर झील में स्नान करने वालों को मिलेगा पुण्यलाभ

**सागर।** शहर में जल स्त्रोतों की स्वच्छता और पवित्रता के प्रति नागरिकों को जागरूक बनाकर जल संरक्षण और शहर की स्वच्छता से जोड़ने के लिए प्रति सोमवार लाखा बंजारा झील किनारे की जा रही गंगा आरती के सकारात्मक परिणाम देखने मिल रहे हैं। निगमायुक्त राजकुमार खत्री के मार्गदर्शन में स्वच्छ सर्वेक्षण और ऐतिहासिक जल स्त्रोत की स्वच्छता व संरक्षण जागरूकता को ध्यान में रखते हुए इस बार मकर संक्रांति पर्व के उपलक्ष्य में सोमवार को विशेष गंगा आरती की तैयारियां करने के निर्देश दिये गए हैं। लाखा बंजारा झील किनारे चकराघाट के पास शाम 7 बजे से गंगा आरती प्रारम्भ होगी। आज स्वामी विवेकानंद जयंती भी है। स्वामी विवेकानंद युवाओं सहित भारत वासियों के प्रेरणा स्त्रोत हैं। युवाओं को भी बड़ी संख्या में झील और ऐतिहासिक जल स्त्रोतों से जोड़ने में सहयोग मिलेगा।

## मध्यस्थता का लाभ पक्षकारों तक पहुंचे: जस्टिस बंसल

**सागर। दोपहर मेट्रो**

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के न्यायमूर्ति जस्टिस द्वारकाधीश बंसल की उपस्थिति में जिला न्यायालय सागर स्थित ए.डी.आर. भवन में मध्यस्थता जागरूकता सह विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति ने मध्यस्थता विषय पर जिला न्यायालय में पदस्थ न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यस्थता का लाभ पक्षकारों तक पहुंचाना न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं का परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि प्रकरणों में सदैव सुलह-समझौते की संभावना तलाशनी चाहिए तथा यह प्रयास होना चाहिए कि मामलों का निराकरण पक्षकारों के बीच आपसी राजीनामे से हो, जिससे उनके संबंध भविष्य में मधुर बने रहें और समाज में शांति बनी रहे। उन्होंने अपने अधिवक्ता जीवन के दौरान मध्यस्थता से सुलझाए गए कई प्रकरणों के उदाहरण भी प्रस्तुत किए। न्यायमूर्ति ने अधिवक्ता व्यवसाय में पदार्पण कर रहे नवागत अधिवक्ताओं को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि न्यायालय के समक्ष पक्ष रखते समय विधिक ज्ञान, प्रभावी तर्क एवं शालीन व्यवहार से पक्ष प्रस्तुत करें, जिससे पक्षकारों को न्याय मिल सके और अधिवक्ताओं की पहचान भी स्थापित हो। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश एम.के. शर्मा ने वर्ष 2025 में किए गए वार्षिक कार्य एवं गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम को म.प्र. राज्य अधिवक्ता संघ की को-चेयरपर्सन रश्मि रितु जैन, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह राजपूत एवं सचिव वीरेन्द्र सिंह राजपूत ने भी संबोधित किया। आभार प्रदर्शन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अंकित श्रीवास्तव ने किया।

## बसंत पंचमी को लेकर पुलिस अलर्ट: किरायेदार की सूचना न देने वाले तीन मकान मालिकों पर केस दर्ज

**धार। दोपहर मेट्रो**

बसंत पंचमी उत्सव और भोजशाला में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग हाई अलर्ट मोड़ पर है। इस वर्ष बसंत पंचमी शुक्रवार के दिन होने के कारण प्रशासन अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी के निर्देश पर शहर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें किरायेदार की जानकारी छिपाने वाले तीन मकान मालिकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए थे कि जिला दण्डाधिकारी के आदेश के तहत बाहर से आए किरायेदारों की जानकारी संबंधित थाने में देना अनिवार्य है। शुक्रवार को नगर पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा और कोतवाली थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान के मार्गदर्शन में गठित टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चेकिंग की।

क्वींसपार्क में उप निरीक्षकअमरसिंह बाखले की टीम ने मकान नंबर 82-83 की जांच की। यहाँ मकान मालिक कैलाश मुकाती ने पिछले 7 वर्षों से रह रहे किरायेदारों की कोई भी सूचना थाने में दर्ज नहीं कराई थी। रामनगर कॉलोनी में उप निरीक्षक सावन मुवेल और सहायक उप निरीक्षक अनिल डावर की टीम ने हेमंत उर्फ सोनू राठौर के यहां चेकिंग की। सोनू ने अपने 5 कमरों में किरायेदार रखे थे लेकिन पुलिस को इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी थी। बोरासी मोहल्ले में इसी टीम ने सुभाष बोरासी के घर दबिश दी। यहाँ 2 कमरों में किरायेदार मिले, जिनकी सूचना थाने के रिकॉर्ड में उपलब्ध नहीं थी। पुलिस ने इन तीनों मकान मालिकों के विरुद्ध धारा 223 ए बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

## भगवान की कथा सुनना पहली भक्ति है: पं. व्यास

**सागर। दोपहर मेट्रो**

श्री रामबाग मंदिर में चल रही संगीतमय राम कथा के चौथे दिन कथा व्यास पं.मनोज व्यास मधुर ने कहा कि कथा सुनने के लिए तीन बातें हैं। पहली इच्छा दूसरा प्रयास और तीसरी भगवत कृपा मन बड़ा चंचल है यहां वहां भटकता है। भगवत कृपा हो जाए तो व्यक्ति को कथा सुनने की इच्छा भी हो जाती है और वह प्रयत्न भी करने लगता है। भगवान की कथा सुनना पहली भक्ति है। कथा सुनने से प्रभु का परिचय होता है। इस परिप्रेक्ष्य में उन्होंने भक्त धन्ना की कथा सुनाई। उन्होंने भजनों के साथ प्रजापति दक्ष के यज्ञ,सती और शिव का प्रसंग सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। उन्होंने बताया कि भगवान के दर्शन चार प्रकार से होते हैं। पहला सांकेतिक विपत्ति के समय कोई अनजान आपकी सहयता कर दे तो समझ प्रभु ने दर्शन दिए हैं। दूसरा प्रकार है स्वापनिक स्वप्न में दर्शन,तीसरा भाव पूर्ण दर्शन और चौथा प्रत्यक्ष दर्शन है. श्रीराम सुनाते हुए पं.व्यास ने बताया कि राम कथा में चार प्रसंग हैं। तुलसीदास अपने मन को, भोलेनाथ पार्वती जी को, काकभुशुंडि जी गरुड़ को और यागवाल्यक जी भारद्वाज जी को राम कथा सुनाते हैं। कथा में आज कथा व्यास पं.मनोज व्यास मधुर ने भगवान शिव-पार्वती विवाह,भोलेनाथ का श्रंगार,बारात का रसमय वर्णन किया जिसे सुनकर उपस्थित श्रोता झूम उठे।

**मेट्रो एंकर**

### तेंदूखेड़ा में विकासखंड स्तरीय गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

# बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं जागरूकता विकसित करने दिया जोर

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने, पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सरल, रोचक एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राष्ट्र शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशन में विकासखंड स्तरीय गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदूखेड़ा में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य रघुराज सिंह ठाकुर द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रदर्शनी में विकासखंड के समस्त जन शिक्षा केंद्रों से चयनित विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रदर्शनी के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों पर आधारित विभिन्न मॉडल, चार्ट, लघु नाटिकाएँ, स्वरचित नाटक एवं रचनात्मक प्रस्तुतियाँ प्रदर्शित की गईं। विद्यार्थियों ने अपने मॉडलों के माध्यम से स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, उद्यान विकास, दैनिक जीवन में विज्ञान की उपयोगिता जैसे विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ उनके मार्गदर्शी शिक्षकों की भी सक्रिय उपस्थिति रही। विभिन्न विधाओं में प्रस्तुत मॉडलों एवं गतिविधियों का मूल्यांकन राज्य शिक्षा केंद्र के दिशा-निर्देशों के अनुसार गठित निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। परिणामस्वरूप विज्ञान विषय में शासकीय माध्यमिक विद्यालय शाला बादीपुरा की छात्रा द्वारा प्रस्तुत 'स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली' मॉडल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शासकीय हायर सेकेंडरी कन्या विद्यालय तेंदूखेड़ा ने गणित विषय में 'उद्यान' मॉडल के माध्यम से द्वितीय स्थान प्राप्त किया, वहीं शासकीय एकीकृत कन्या विद्यालय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में समस्त बीएसी, जन शिक्षकगण एवं शिक्षक उपस्थित रहे। प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, तार्किक सोच एवं नवाचार को मंच प्रदान करते हुए सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को सशक्त बनाया।

## रोहित ने दी आक्रामक शुरुआत लेकिन बना सके 26 रन

### वडोदरा वनडे में दिखे 5 पॉजिटिव साइन

# रन मशीन कोहली की क्लास, शुभमन गिल-अय्यर का कमबैक और केएल का संयम...

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत-न्यूजीलैंड के बीच वडोदरा में खेले गए पहले वनडे मैच में टीम इंडिया ने 4 विकेट से जीत हासिल की। इस मुकाबले में विराट कोहली एक बार फिर रंग में दिखे और उन्होंने शानदार 93 रनों की पारी खेली। कोहली भले ही शतक से चूक गए लेकिन उन्होंने भारत की जीत की नींव रखी। मध्यक्रम में जल्दी-जल्दी विकेट गिरने से 301 रनों का लक्ष्य थोड़े समय के लिए भारत से दूर जाता दिखा। लेकिन आखिरकार भारत को जीत मिली। इस मैच में गिल का फॉर्म, अय्यर की क्लास और केएल के धैर्य समेत भारत के लिए कई पॉजिटिव साइन भी दिखे।

कोटाम्बी स्टेडियम की रन बनाने में मददगार पिच पर 301 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए सारा ध्यान भारत के टॉप-3 पर था। रोहित शर्मा और कोहली अच्छी लय में थे, जबकि शुभमन गिल टी20 विश्व कप से बाहर किए जाने और हालिया चोट से उबरकर वापसी कर रहे थे। लेकिन दोनों ने संभली शुरुआत की। अक्सर की तरह रोहित ने आक्रामक शुरुआत की लेकिन वो 26 रन ही बना सके। जिसमें तीन चौके और दो छक्के शामिल थे। लेकिन कोहली के क्रीज़ पर आते ही स्टेडियम का माहौल बदल गया। आमतौर पर धीमी शुरुआत करने वाले कोहली इस बार अलग अंदाज़ में दिखे। उन्होंने अनुभवहीन क्रिस्टियन क्लार्क और आदित्य अशोक पर शुरुआत से ही दबाव बनाया और दोनों गेंदबाज़ों के खिलाफ बाउंड्री जमाईं। गिल को भी इससे लय मिली और इस जोड़ी ने रोहित के आउट होने के बाद न सिर्फ पारी को संभाला, बल्कि भारत को मज़बूत बढ़त भी दिलाई। कोहली ने 44 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और लग रहा था कि वह मैच को अंत तक ले जाएंगे। गिल ने भी संयम दिखाते हुए 66 गेंदों में अर्धशतक जमाया, हालांकि वह पीठ की परेशानी से जूझते दिखे।

### शुरुआत में असहज दिखे अय्यर

इसके बाद श्रेयस अय्यर मैदान पर आए, जिन पर एक और साझेदारी बनाने की जिम्मेदारी थी। शुरुआत में वह असहज दिखे, लेकिन 31वें ओवर में आदित्य अशोक के खिलाफ एक छक्का और दो चौके लगाकर उन्होंने लय वापस दिलाई। इसी बीच नाटकीय मोड़ आया, जब माइकल ब्रेसवेल ने शानदार कैच लपकते हुए कोहली को 93 रन पर पवेलियन भेज दिया। वॉशिंगटन सुंदर साइड स्ट्रेन से जूझ रहे थे, जिसके चलते रविंद्र जडेजा को नंबर 5 पर भेजा गया, लेकिन यह फैसला उल्टा पड़ गया और वह उसी ओवर में 4 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद काइल जैमीसन ने श्रेयस को क्लीन बोल्ड कर दिया और भारत को 53 गेंदों में 59 रन चाहिए थे।

### हर्षित ने दिखाया दम

सुंदर बल्लेबाज़ी के लिए फिट नहीं थे, जिससे हर्षित राणा को क्रीज़ पर आना पड़ा। युवा तेज़ गेंदबाज़ ने अपने ऑलराउंड कौशल दिखाने के इरादे से साहसिक बल्लेबाज़ी की, हालांकि कुछ मौके बेहद तनावपूर्ण रहे। 44वें ओवर में डेरिल मिचेल ने उनका कैच छोड़ दिया, जो बाद में काफी महंगा साबित हुआ। दूसरे छोर पर राहुल शांत बने रहे और हर्षित को खुलकर खेलने दिया। एक छक्के ने पांच ओवर शेष रहते समीकरण को भारत के पक्ष में रखा। इसके बाद एक और चौके से लक्ष्य 23 गेंदों में 22 रन रह गया, इससे पहले हर्षित 23 गेंदों पर 29 रन बनाकर आउट हो गए।

## ऋषभ पंत के बाद वॉशिंगटन सुंदर भी वनडे सीरीज से बाहर

**नई दिल्ली।** वडोदरा वनडे में टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 विकेट से जीत मिली। लेकिन इस मैच में भारत को एक बड़ा झटका भी लगा है। स्टार ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर साइड स्ट्रेन के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी वनडे सीरीज के बचे हुए मैचों से बाहर हो गए हैं। उन्हें यह चोट रविवार, 11 जनवरी को खेले गए पहले वनडे मुकाबले के दौरान लगी। यह झटका ऐसे समय पर लगा है जब इससे एक दिन पहले ही ऋषभ पंत चोट के कारण टीम से बाहर हो गए थे। हालांकि, वॉशिंगटन सुंदर का झटका इसलिए भी बड़ा है क्योंकि वह 7 फरवरी से शुरू हो रही टी20 विश्व कप 2026 में भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। ऐसे समय में यह चोट आईसीसी टूर्नामेंट से पहले टीम मैनेजमेंट के लिए चिंता का कारण बन गई है। सुंदर ने पहली पारी में 5 ओवर गेंदबाजी की थी, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए और उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने सब्स्टीट्यूट फील्डर के रूप में फील्डिंग की। इस बात को लेकर संशय था कि सुंदर बल्लेबाजी के लिए उतर पाएंगे या नहीं, लेकिन लक्ष्य का पीछा करते हुए जब भारत ने आखिरी ओवरों में तेजी से विकेट गंवाए और मैच रोमांचक हो गया, तब उन्हें मैदान में उतरना पड़ा। वॉशिंगटन सुंदर ने 7 गेंदों में 7 रन बनाए, लेकिन रन लेते समय वह काफी असहज नजर आए। आखिरकार केएल राहुल ने मैच को भारत के पक्ष में समाप्त किया और टीम को सीरीज में 1-0 की बढ़त दिलाई। मैच के बाद केएल राहुल ने कहा कि उन्हें सुंदर की चोट की गंभीरता का अंदाजा नहीं था। राहुल ने कहा, मुझे नहीं पता था कि वह दौड़ नहीं पा रहे हैं। मुझे सिर्फ इतना पता था कि पहली पारी में उन्हें थोड़ी परेशानी थी, लेकिन चोट कितनी गंभीर है, इसका अंदाजा नहीं था। वह गेंद को काफी अच्छी तरह हिट कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा, जब वह बल्लेबाजी करने आए, तब हम लगभग रन प्रति गेंद की गति से रन बना रहे थे, इसलिए जोखिम लेने की जरूरत नहीं थी।

### कोच गंभीर पर पक्षपात के आरोप

## हर्षित-प्रसिद्ध से बेहतर आंकड़े फिर भी अर्शदीप प्लेइंग 11 से बाहर

**नई दिल्ली।** वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन को लेकर फिर से सवाल खड़े हो गए हैं। टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन का जब ऐलान हुआ तो उसमें अर्शदीप सिंह को जगह नहीं दी गई। इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर फैंस की तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। अर्शदीप की जगह तेज गेंदबाज के रूप में हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया गया।

दरअसल, अर्शदीप को हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा के पक्ष में नजरअंदाज किया गया, जिन्होंने मोहम्मद सिराज के साथ भारत की तेज गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी संभाली। सिराज ने इस मुकाबले के जरिए वनडे क्रिकेट में वापसी की, वह पिछले साल ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद से इस फॉर्मेट में नहीं खेले थे। जैसे ही भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, अर्शदीप की गैरमौजूदगी चर्चा का बड़ा विषय बन गई।

आलोचना की सबसे बड़ी वजह हालिया प्रदर्शन रहा। अर्शदीप ने न्यूजीलैंड सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई तीनों वनडे मैचों में हिस्सा लिया था और वह भारत के सबसे किफायती और भरोसेमंद तेज गेंदबाज साबित हुए। उन्होंने 5।50 की इकोनॉमी से पांच विकेट लिए। इसके मुकाबले हर्षित राणा ने उसी सीरीज में चार विकेट लिए, लेकिन उनकी इकोनॉमी 6।39 रही, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने सात विकेट जरूर झटके, लेकिन 7।80 की ऊंची इकोनॉमी के साथ रन भी काफी खर्च किए। अर्शदीप के पक्ष में उनका घरेलू फॉर्म भी मजबूत रहा। न्यूजीलैंड सीरीज से पहले उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में सिक्किम के खिलाफ पांच विकेट हॉल लेकर यह दिखाया कि 50 ओवर के प्रारूप में उनकी लय और नियंत्रण पूरी तरह बरकरार है।

### अर्शदीप की भूमिका अब भी स्पष्ट नहीं

फैंस ने इस फैसले को खुलेआम पक्षपात करार दिया, एक ऐसा शब्द जो हाल के दिनों में भारत की वनडे टीम चयन को लेकर बार-बार सामने आ रहा है। इस फैसले को लेकर हेड कोच गौतम गंभीर की भी कड़ी आलोचना हो रही है। सोशल मीडिया पर फैन्स अर्शदीप की जगह हर्षित राणा को तरजीह दिए जाने पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि राणा निचले क्रम में बल्लेबाजी का विकल्प देते हैं, लेकिन आलोचकों का मानना है कि अर्शदीप के आंकड़े और निरंतरता उन्हें ज्यादा मजबूत दावेदार बनाते हैं, खासकर उन परिस्थितियों में जहां नई गेंद से अनुशासन बेहद अहम होता है। हाल के वर्षों में भारत के सबसे भरोसेमंद व्हाइट-बॉल तेज गेंदबाजों में शामिल रहने के बावजूद अर्शदीप की वनडे टीम में भूमिका अब भी स्पष्ट नहीं है। जैसे-जैसे गौतम गंभीर की चयन नीति पर बहस तेज होती जा रही है, अर्शदीप के भविष्य को लेकर अनिश्चितता भी बढ़ती जा रही है। 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, लेकिन भारत की व्हाइट-बॉल योजनाओं में अर्शदीप की भूमिका को लेकर तस्वीर अब भी धुंधली बनी हुई है।

## भारतीय फुटबॉल संकट में, लेकिन दिल्ली में शुरू हुआ फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर

**नई दिल्ली।** भारतीय फुटबॉल इन दिनों अपने सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहा है। प्रशासनिक अव्यवस्था, आर्थिक संकट और लीग के भविष्य पर सवालों के बीच दिल्ली में फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर की शुरुआत हुई। इस आयोजन ने सोशल मीडिया और फुटबॉल प्रशंसकों का ध्यान इसलिए खींचा क्योंकि समय और परिस्थितियां बेहद असहज थीं। करीब छह महीने बाद होने वाले 2026 फीफा वर्ल्ड कप से पहले असली ट्रॉफी तीन दिन के भारत दौरे पर पहुंची। ट्रॉफी का अनावरण दिल्ली में हुआ, जहाँ केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, AIFF अध्यक्ष कल्याण चौबे और ब्राजील के विश्व कप विजेता गिल्बर्टो सिल्वा मौजूद थे। ट्रॉफी इससे पहले लगभग 12 साल पहले भारत आई थी, लेकिन इस बार का माहौल जश्न से ज्यादा आलोचना से घिरा दिखा। सोशल मीडिया पर कई प्रशंसकों ने ट्रॉफी टूर को

÷ऑप्टिक्स÷ का खेल बताया। लोगों ने तंज कसा कि जब घरेलू फुटबॉल मुश्किल से ढिंा है, तब दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफी का स्वागत करना ÷वास्तविकता और शो÷ के बीच की दूरी दिखाता है। AIFF अध्यक्ष चौबे और खेल मंत्री मांडविया दोनों को इस आयोजन के समय को लेकर निशाने पर लिया गया। मांडविया पहले भी ISL रीस्टार्ट के दौरान मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के नाम गलत उच्चारण को लेकर फैंस के निशाने पर आ चुके हैं।

### घरेलू फुटबॉल की स्थिति बेहद खराब

करीब नौ महीने की अफरातफरी के बाद ISL की वापसी की तारीख तय हुई है और लीग अब 14 फरवरी से दोबारा शुरू होगी। लेकिन यह वापसी भी संकटों से भरी है- AIFF और FSDL के बीच डील टूटने से लीग बिना नियमित प्रसारण साझेदार और आय के स्रोत के रह गई है। खिलाड़ी सैलरी में 20 से 25 प्रतिशत तक कटौती की खबरों ने क्लबों की आर्थिक स्थिति उजागर कर दी है। कई खिलाड़ियों को सैलरी कट मानो या सीजन छोड़ो जैसी स्थिति झेलनी पड़ी है। लंबे ब्रेक के कारण मैच फिटनेस गिरी है और भारत की फीफा रैंकिंग 142 पर पहुंच गई है, जो चिंताजनक है। दिल्ली के बाद फीफा ट्रॉफी असम के गुवाहाटी में प्रदर्शित की जाएगी।

### विजय हजारे ट्रॉफी में रनों का अंबार लगा रहे देवदत्त बोले-

## अपने गेम को समझना जरूरी इससे चीजें होती हैं आसान

**नई दिल्ली।** विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पड्डिकल बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। सीजन के 7 मैचों में पड्डिकल 600 से अधिक रन बना चुके हैं। लगातार बड़े स्कोर करने की उनकी निरंतरता ने क्रिकेट फैंस और विशेषज्ञों को प्रभावित किया है। पड्डिकल ने अपनी बेहतरीन फॉर्म पर कहा है कि अपनी क्रिकेट को समझना बहुत जरूरी है। इससे चीजें आसान हो जाती हैं। देवदत्त पड्डिकल ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से बातचीत में कहा, जब आप अलग-अलग पोजीशन पर बैटिंग करना शुरू करते हैं, तो आप अपने गेम के बारे में बहुत कुछ सीखते हैं। मुझे लगता है कि

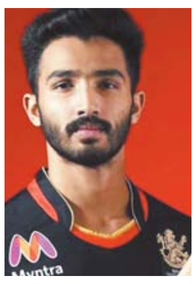

क्रिकेट में, अपने गेम को अंदर से बाहर तक समझना जरूरी है, तभी आप अपना बेस्ट दे सकते हैं। अलग-अलग पोजीशन पर बैटिंग करने से मुझे यह समझने में मदद मिली है कि गेम के अलग-अलग फेज में मुझे किन क्षेत्रों पर टारगेट करना है, और इससे मुझे इतने सालों में अपनी इनिंग्स को बेहतर बनाने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि हर मैच में एक ही तरह से खेलना आसान है, लेकिन बड़े स्कोर नहीं बना पाते। यह जरूरी था कि मैं खुद को ढालूं और इसमें निरंतरता लाऊं। जब आप रन बना रहे होते हैं, तो यह मानना आसान होता है कि गेम खेलने का सिर्फ एक ही तरीका है।

**मनोरंजन** | **बॉलीवुड का कोना**

## हीरोइन सी दिखी आईपीएस मम्मी

# काली ड्रेस पहन हंसते-हंसते नवजोत सिमी ने जीत लिया सबका दिल

भारत में कई सारे आईएएस अफसर ऐसे हैं जिन्होंने आईपीएस से शादी की। लेकिन अगर कोई सबसे ज्यादा लोगों के दिलों पर राज करता है तो वो हैं आईएएस तुषार सिंगला और आईपीएस नवजोत सिमी की जोड़ी। दोनों की शादी को सालों हो गए हैं, पर फिर भी उनकी एक-एक फोटो देख लोगों का दिल खुश हो जाता है। जैसे वो दोनों अफसर नहीं, कोई सेलिब्रेटी हों। वैसे नवजोत का स्टाइल होता ही इतना कमाल है कि किसी की भी उन पर नजर ठहर जाए। लेकिन सबसे गजब तो वो तब दिखीं थीं जब उन्होंने प्लेन ब्लैक ड्रेस पहनकर स्टाइल मारा था। नवजोत का आउटफिट एकदम प्लेन था, लेकिन फिर भी वो किसी हीरोइन जैसी दिख रही थीं। तभी तो आईएएस साहब ने उनका हाथ एक पल के लिए भी नहीं छोड़ा था। वैसे स्टाइल दिखाने के साथ नवजोत मां वाली

जिम्मेदार निभाने में भी पीछी नहीं रहीं। उनका अंदाज देख आप भी इंप्रेस हो जाएंगे। ?आईपीएस नवजोत और आईएएस तुषार की वैसे तो हर फोटो छा जाती है। लेकिन 2024 नें उन्होंने ब्लैक ब्यूटी वाला सबसे सुंदर लुक दिखाया था।

तभी उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर छा गई थीं। साथ में जैकेट और जींस पहनकर तुषार भी किसी हीरो से कम नहीं दिखे। कपल का यह लुक देख एक पल के लिए किसी को भी लग सकता है कि वो एक्टर और एक्ट्रेस हैं।

### स्टाइल दिखाने के साथ निभाई मां की जिम्मेदारी

नवजोत ने ब्लैक ब्यूटी वाला लुक दिखाते हुए स्टाइल तो मारा, लेकिन साथ में मां की भी जिम्मेदारी नहीं भूलीं। और दिखा दिया कि वो हर मामले में बेस्ट हैं। गोद में प्यारा सा बैटे को उठाकर वो गजब लगीं। आईपीएस मैडम के बेटे ने भी उनकी तरह ब्लैक कलर की ही जैकेट पहनी हुई है। मां-बेटे की जोड़ी का प्यार झलकाती फोटो बेहद ही सुंदर दिख रही है। आईपीएस नवजोत की ड्रेस प्लेन है लेकिन फिर भी वो एकदम परफेक्ट दिख रही हैं क्योंकि ड्रेस का ब्लैक कलर नवजोत के लुक को बोल्ड और पॉवरफुल बना है।

**कुछ हफ्ते पहले, समान्था रूथ प्रभु हैदराबाद में एक इवेंट के दौरान भीड़ द्वारा घेर लिए जाने की परेशान करने वाली तस्वीरें सामने आईं। इससे ठीक एक हफ्ते पहले, एक्ट्रेस निधि अग्रवाल ने उसी शहर में द राजा साब की प्रमोशनल इवेंट के दौरान ऐसी ही मुश्किल का सामना किया। अब इस पर एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह का रिएक्शन आया है।**

## पूरी पीठ पर खरोंच के निशान... जॉन अब्राहम को लेकर बोलीं एक्ट्रेस चित्रांगदा

चित्रांगदा ने कहा कि ऐसी घटनाएं सिर्फ महिलाओं तक सीमित नहीं हैं। हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा , %जॉन अब्राहम और मैंने बहुत पहले हमारी फिल्म आई, मी और मैं को प्रमोट किया था। हम दिल्ली के एक कॉलेज गए थे, स्टेज पर गए और फिर निकलने लगे। भीड़ बढ़ने लगी और अचानक मैंने देखा कि सब जॉन को ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। जॉन ने पीछे मुड़कर मुझे साथ ले जाने की कोशिश की। वो मुझे प्रोटेक्ट करने की कोशिश कर रहे थे और कार तक ले जाना चाहते थे। जैसे ही हम कार में

बैठे, जॉन ने अपनी शर्ट उतारी और उनकी पूरी पीठ खरोंचों से भरी हुई थी। और मुझे कुछ नहीं हुआ क्योंकि उस कॉलेज में बहुत सारी लड़कियां थीं। उन्होंने आगे कहा, मैं हैरान रह गई क्योंकि वो मुझे बचाने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए वो मेरे पीछे थे और उनकी पूरी पीठ खरोंच गई। तो लगता है ये सबके साथ होता है, सिर्फ महिलाओं के साथ नहीं। निधि अग्रवाल की हालिया घटना रिएक्शन देते हुए एक्ट्रेस ने कहा, कुछ इवेंट्स वाकई हाथ से निकल जाते हैं क्योंकि भीड़ को कंट्रोल करना पड़ता है।

**मेट्रो बाजार**

## प्रतिबंध हटने के बाद भारत के चावल निर्यात में हुई 19.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी

**नई दिल्ली।** सरकार द्वारा चावल के निर्यात पर लगे सभी प्रतिबंध हटाने के बाद भारत के चावल निर्यात में पिछले साल 19.4 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी हुई। इसके साथ ही भारत का चावल निर्यात अब तक के दूसरे सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, पाबंदियां हटने से भारतीय चावल अंतरराष्ट्रीय बाजार में ज्यादा प्रतिस्पर्धी हो गया। इससे दुनिया के सबसे बड़े चावल निर्यातक के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत हुई।

भारत के चावल की अंतरराष्ट्रीय बाजार में जोरदार वापसी से बाजार में चावल की आपूर्ति लगातार बनी रही। इसका असर यह हुआ कि थाईलैंड और वियतनाम जैसे अन्य चावल निर्यात करने वाले देशों का निर्यात कम हो गया। चावल की ज्यादा उपलब्धता के कारण एशिया में चावल की कीमतें लगभग दस साल के सबसे निचले स्तर पर आ गईं। कम कीमतों से गरीब उपभोक्ताओं को राहत मिली है, खासकर अफ्रीका और अन्य ऐसे देशों को, जो सस्ते चावल पर ज्यादा निर्भर रहते हैं। दुनिया के चावल व्यापार में भारत की बढ़ती भूमिका अब पोषक तत्वों से भरपूर और ज्यादा मूल्य वाले चावल के निर्यात में भी दिखाई दे रही है। हाल ही में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने छत्तीसगढ़ से पापुआ न्यू गिनी के लिए 20 मीट्रिक टन पोषक तत्व युक्त चावल के निर्यात में मदद की।

## सरकार ने कसा शिकंजा, क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों पर जुड़ने वाले यूजर्स के लिए जियो टैगिंग अनिवार्य

**नई दिल्ली।** क्रिप्टो बाजार में अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए भारत की वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने सख्त नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। अब क्रिप्टो एक्सचेंजों के लिए नए धनशोधन रोधी और अपने ग्राहक को जाने दिशानिर्देशों के तहत लाइवनेस डिटेक्शन के साथ सेल्फी लेना, जियो टैगिंग रिकॉर्ड करना और पेनी ड्रॉप तरीके से बैंक खाते का सत्यापन करना अनिवार्य कर दिया है। इस महीने आठ तारीख को जारी इन ताजा दिशानिर्देशों के अनुसार क्रिप्टो एक्सचेंजों को आभासी डिजिटल संपत्ति (वीडीए) सेवा प्रदाता के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अब इन्हें सिर्फ दस्तावेजों के अपलोड से आगे बढ़कर गहन जांच का सामना करना पड़ेगा। एफआईयू ने 8 जनवरी को अपडेट दिशा-निर्देशों को जारी किया है। इसमें टंबलर, मिक्सर और गुमनामी बढ़ाने वाले टोकन से जुड़े लेनदेन को सुविधा नहीं दी जाएगी। ये दिशानिर्देश वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (क्रिप्टोकरेंसी) से संबंधित सेवाएं देने वाली रिपोर्टिंग संस्थाओं के लिए मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी

(एएमएल) और आतंकवाद वित्तपोषण का मुकाबला (सीएफटी) दिशानिर्देश का हिस्सा हैं। इन दिशानिर्देशों को मार्च, 2023 में पहली बार प्रकाशित होने के लगभग तीन साल बाद अपडेट किया गया है। इसके तहत उपयोगकर्ताओं को अब एक 'सजीव सेल्फी' लेनी होगी। इसमें ऐसे सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाएगा, जो यह पुष्टि करेगा कि व्यक्ति खुद वहां मौजूद है। इसमें पलक झपकाने या सिर हिलाने को कहा जाएगा। यह कदम फोटो या 'डीपफेक' के जरिए होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए उठाया गया है।

# कश्मीर में जम गए झरने

## माइनस 5.9 डिग्री पहुंचा तापमान, सैलानी उठा रहे बर्फबारी का लुत्फ

जम्मू-कश्मीर में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। घाटी के कई इलाकों में तापमान शून्य से नीचे पहुंच चुका है। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में बीती रात न्यूनतम तापमान -5.9 डिग्री तक पहुंच गया, जो इस सीजन की सबसे ठंडी रात थी। उत्तरी कश्मीर के तंगमर्ग के द्रुंग में एक झरना जम गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक उमड़ पड़े। मौसम विभाग की मानें तो जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में शीतलहर चलने की संभावना है, जिससे आने वाले दिनों में तापमान में और भी गिरावट देखने को मिल सकती है। वहीं, श्रीनगर में इस पूरे हफ्ते अधिकतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान -2 से -4 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। इस दौरान बादलों की आवाजाही भी बने रहने के आसार हैं।

## न्यूज विंडो

### युवती को जबरन शराब पिलाई, बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म

**पूर्णिया।** बिहार के पूर्णिया जिले के डगरूआ थाना क्षेत्र में एक ऐसी क्रूर और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। एक युवती के साथ छह युवकों ने अपहरण के बाद रात भर सामूहिक दुष्कर्म की बर्बर वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता की हालत बेहद नाजुक है और वह वर्तमान में पूर्णिया जीएमसीएच में मौत से जूझ रही है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता नेवलाल चौक से पैदल अपने घर की ओर जा रही थी। इसी दौरान चार पहिया वाहन पर सवार छह युवक वहां पहुंचे और रास्ते में ही उसे जबरन रोक लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने उसका मुंह दबाया और गाड़ी में खींचकर ले गए। उन्हें बरियार चौक स्थित जोया ट्रेडर्स के एक सुनसान कमरे में ले जाकर बंदी बना लिया गया।आरोपियों ने पीड़िता को जबरन शराब पिलाई और नशे के असर में आने के बाद बारी-बारी से उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता के अनुसार, आरोपियों ने उसे डांस करने को मजबूर किया, मारपीट की और हर तरह की बर्बरता दिखाई। पूरी रात चली इस हैवानियत के बाद पांच आरोपी मौके से फरार हो गए, जबकि मुख्य आरोपी मोहम्मद जुनेद नशे में धुत होकर वहीं सो गया।

### अमरावती नगर निगम चुनाव से पहले भाजपा ने तोड़ा गठबंधन

**मुंबई।** भाजपा और विधायक रवि राणा की युवा स्वाभिमान पार्टी ने अमरावती नगर निगम चुनावों के लिए अपना गठबंधन तोड़ दिया है। 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनाव से पहले अमरावती भाजपा जिला अध्यक्ष नितिन धांडे ने इस घटना की पुष्टि की।भाजपा जिला अध्यक्ष नितिन धांडे बताया कि उनकी पार्टी ने राणा के संगठन को आवंटित छह सीटों से अपना समर्थन वापस ले लिया है।उन्होंने आरोप लगाया, इन सीटों पर हम भारतीय जनता पार्टी से वैचारिक रूप से जुड़े स्वतंत्र उम्मीदवारों का समर्थन कर रहे हैं। युवा स्वाभिमान पार्टी ने अपना वादा नहीं निभाया और भाजपा के खिलाफ उम्मीदवार उतार दिए।हालांकि, नितिन धांडे ने यह कहा कि राणा की पत्नी और पूर्व लोकसभा सांसद नवनीत राणा भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार करना जारी रखेंगी।

### ठंड से बचने की कोशिश ने ली जान, ट्रक में मृत मिले चाचा-भतीजे

**नैनीताल।** उत्तराखंड के नैनीताल जिले के रामनगर से एक दुखद घटना सामने आई है। यहां भीषण ठंड से बचने के लिए ट्रक के केबिन में 'पेट्रोमैक्स लालटेन' जलाकर सो रहे दो चालकों की दम घुटने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के संभल निवासी चाचा-भतीजे के रूप में हुई है।पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के संभल जिले के रहने वाले मोहम्मद इरफान और मोहम्मद इकरार पेशे से ट्रक चालक थे। वे शनिवार रात रामनगर के पीरूमदारा गांव स्थित एक स्टोन क्रशर में खनिज सामग्री (रेत-बजरी) भरने आए थे। सुबह करीब 5:00 बजे उन्होंने ट्रक में माल लोड किया और उसे क्रशर से बाहर खड़ा कर दिया। कड़ाके की ठंड और पाले से बचने के लिए दोनों ट्रक के केबिन के अंदर चले गए। केबिन को गर्म रखने के लिए उन्होंने मिट्टी के तेल वाली 'पेट्रोमैक्स लालटेन' जलाई और केबिन के शीशे पूरी तरह बंद करके सो गए।काफी देर तक जब ट्रक में कोई हलचल नहीं हुई, तो वहां काम कर रहे अन्य श्रमिकों ने उन्हें आवाज लगाई। अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर संदेह हुआ। इसके बाद ट्रक के केबिन की खिड़की का शीशा तोड़ा गया, जहां इरफान और इकरार अचेत अवस्था में पड़े मिले।

## कलकत्ता क्लब डिबेट में बोले मणिशंकर अय्यर

# हिंदू महान आध्यात्मिक धर्म हिंदुत्व राजनीतिक विचारधारा

**कोलकाता, एजेंसी**

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मणिशंकर अय्यर एक बार फिर चर्चाओं में हैं। उन्होंने कलकत्ता क्लब की डिबेट 2026 में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने हिंदुत्व की अवधारणा की आलोचना की। मणिशंकर अय्यर ने हिंदुत्व की विचारधारा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि हिंदू धर्म एक महान आध्यात्मिक परंपरा है, जबकि हिंदुत्व एक राजनीतिक ग्रंथ मात्र है। उन्होंने यह टिप्पणी कोलकाता क्लब में आयोजित कलकत्ता डिबेटिंग सर्कल की बहस के दौरान की, जिसका विषय 'हिंदू धर्म को हिंदुत्व से संरक्षण की आवश्यकता है' था।

**हिंदू धर्म को भय की स्थिति में दिखाता है हिंदुत्वः अय्यरः** बहस के दौरान मणिशंकर अय्यर ने कहा कि हिंदुत्व, हिंदू धर्म को भय की स्थिति में दिखाता है, जिसमें 80 प्रतिशत हिंदुओं को 14 प्रतिशत मुसलमानों से डराया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदुत्व के नाम पर समाज में असहिष्णुता और हिंसा को बढ़ावा दिया जा रहा है। अय्यर ने कहा कि हिंदुत्व के नाम पर कभी चर्च में क्रिसमस लंच में शामिल होने पर एक आदिवासी बच्ची के साथ दुर्व्यवहार होता है, तो कभी शॉपिंग मॉल में लगे क्रिसमस की सजावट को हटाया जाता है। उन्होंने दावा किया कि विनायक दामोदर

सावरकर ने बौद्ध धर्म को हिंदुओं के लिए अस्तित्वगत खतरा बताया था और उसे हिंदुत्व के विरुद्ध करार दिया था।

अपने बयान में मणिशंकर अय्यर ने कहा, 'हिंदुत्व हिंदू धर्म का वह रूप है, जो एक तरह का पागलपन है। यह 80 फीसदी हिंदुओं को 14 प्रतिशत मुसलमानों के सामने कांपने के लिए कहता है। हिंदुत्व वह है जब एक भाजपा नेता एक अंधी, भूखी आदिवासी लड़की को थप्पड़ मारता है, क्योंकि वह चर्च में क्रिसमस के भोज में शामिल होती है। हिंदुत्व शॉपिंग मॉल पर धावा बोलकर क्रिसमस की सजावट तोड़ देता है। सावरकर ने बौद्ध धर्म को सभी हिंदुओं के लिए अस्तित्वगत खतरा बताया था। उन्होंने इसे हिंदुत्व का परम खंडन बताया , जो

### बीजेपी ने अय्यर के बयान को सनातन धर्म का अपमान कहा

इन बयानों पर बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'कौन सी संस्कृति आपको धार्मिक मुद्दों पर भी बहस करने का अधिकार देती है? मैं पूछना चाहता हूं कि हिंदुत्व शब्द क्यों? भारत में पैदा हुए सभी धर्मों के साथ 'वाद' क्यों जोड़ा जाता है? आपने कभी इस्लामवाद और ईसाईवाद के बारे में नहीं सुना होगा। 'वाद' शब्द सिर्फ नीचा दिखाने के लिए जोड़ा जा रहा है। हिंदुत्व क्या है, 'हिंदू तत्व'। हिंदू धर्म की मूल पहचान हिंदू तत्व है। एक और बात मैं कहना चाहता हूं, जब आप हिंदू धर्म को मानते हैं, तो उसे हिंदुत्व कहा जाता है।' इस पर बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, 'मणि शंकर अय्यर फिर से वही कर रहे हैं। सेना का अपमान करने के बाद, अब सनातन का अपमान। मणि शंकर अय्यर कहते हैं कि हिंदू धर्म और हिंदुत्व अलग हैं, हिंदुत्व हिंसक है, और हिंदुत्व लोगों को पीटने की वकालत करता है। यह कांग्रेस की वही लाइन है कि हिंदुत्व ढ्रुस्ढ्रुस और बोको हराम है।' उन्होंने आगे कहा, 'राहुल गांधी ने भी हिंदुत्व का अपमान किया है। यह ऐसा है जैसे कहना कि मां और मातृत्व अलग हैं।

## चुनावी संग्रामः राज ठाकरे के बिगड़े बोल-

# यूपी-बिहार वाले हिंदी न थोपें, वरना लात मारूंगा

**मुंबई, एजेंसी**

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चीफ राज ठाकरे ने आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर दादर स्थित शिवतीर्थ मैदान में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मराठी एकता का आह्वान किया और कहा कि राज्य की भाषा, जमीन और पहचान पर खतरा है।

राज ठाकरे ने कहा- उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों को महाराष्ट्र में हिंदी थोपने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। मुझे किसी भाषा से नफरत नहीं है, लेकिन अगर इसे थोपने की कोशिश करोगे तो मैं आपको लात मारूंगा।एमएनएस प्रमुख ने कहा- कुछ ताकतें अभी भी इस बात से नाराज हैं कि मुंबई, गुजरात के बजाय महाराष्ट्र को मिल गया। वे अब अडाणी ग्रुप के जरिए मुंबई और मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन पर कंट्रोल हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। राज्य के लगभग हर बड़े क्षेत्र में अडाणी समूह की भागीदारी बढ़ती जा रही है।

### उद्धव बोले- मराठी मानुष के लिए हमने अपने मतभेद भुला दिए

उद्धव और राज ठाकरे बृहन्मुंबई महानगर पालिका चुनाव को लेकर शिवतीर्थ मैदान में आयोजित जनसभा में बोल रहे थे। इस दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा- भाजपा हर चुनाव से पहले हिंदू-मुस्लिम और मराठी-गैर मराठी का मुद्दा उठाकर राजनीति करती है। उन्होंने कहा- मराठी मानुष, हिंदुओं और महाराष्ट्र के हित में उन्होंने अपने सभी मतभेद भुला दिए हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा को हम नहीं चाहिए, क्योंकि हम उन्हें मुंबई को हड़पने नहीं देंगे। भाजपा का हिंदुत्व और राष्ट्रवाद झूठा है। भाजपा की नीतियां अब 'नेशन फर्स्ट' नहीं, बल्कि 'करप्शन फर्स्ट' की ओर बढ़ गई हैं।

## राम मंदिर में नमाज की कोशिश पर बवाल! भड़के साधु-संत, बोले-

# मुसलमानों की एंट्री हो बैन!

**अयोध्या।** अयोध्या के राम मंदिर परिसर में एक मुस्लिम युवक द्वारा कथित तौर पर नमाज अदा करने की कोशिश किए जाने की खबर सामने आने के बाद साधु-संतों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। इस घटना को लेकर संत समाज ने इसे मंदिर की मर्यादा और धार्मिक परंपराओं के खिलाफ बताया है और सरकार व प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की है। साधु-संतों का कहना है कि राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और यहां ऐसी किसी भी गतिविधि को

स्वीकार नहीं किया जा सकता जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हों।संत समाज ने आरोप लगाया कि ऐसी घटनाओं से माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जाती है और इससे सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने मांग की कि मंदिर परिसर की सुरक्षा और निगरानी को और मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। कुछ संतों ने यह भी कहा कि घटना से जुड़े लोगों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि यह स्पष्ट संदेश जाए कि राम मंदिर की गरिमा से कोई समझौता नहीं होगा।

# जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की फिराक में 150 से अधिक आतंकी, हाई अलर्ट पर सुरक्षाबल

**जम्मू, एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर की सीमाएं कोहरे के आगोश में और बर्फ से लदी हैं। आतंकियों के समूह घुसपैठ के लिए मौके की तलाश में हैं, लेकिन ऑपरेशन सर्द हवा, घुसपैठरोधी ग्रिड मजबूत होने और सुरक्षाबलों की सतर्कता से उनके मंसूबे नाकाम हो रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर हाईअलर्ट के चलते सेना की अतिरिक्त तैनाती, औचक नाकों व तकनीकी सर्वेलांस से किसी भी प्रकार की साजिश से निपटने के लिए पूरी तैयारी है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय सीमा व अंदरुनी इलाकों की सुरक्षा सुरक्षित बनाने के लिए सीमा सुरक्षा बल ने भी ऑपरेशन सर्द हवा छेड़ रखा है। वहीं शीर्ष अधिकारी भी सैनिकों के बीच जाकर उनका मनोबल बढ़ा रहे है।

अंतरराष्ट्रीय सीमा से लेकर नियंत्रण रेखा

पर 69 लांचिंग पैडों पर डेढ़ सौ अधिक आतंकियों की मौजूदगी के पुख्ता संदेश हैं। सेना, सुरक्षाबल व खुफिया एजेंसियां समन्वय बनाकर जम्मू कश्मीर में गणतंत्र दिवस को सुरक्षित बनाने के लिए अभियान चला रही है। सेना की उत्तरी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा का दौरा कर सुरक्षा हालात जाने। आर्मी कमांडर शर्मा ने स्थानीय यूनिटों को खुफिया तंत्र को मजबूत बनाकर सुरक्षा चुनौतियों को सामना करने के निर्देश दिए हैं। जम्मू के कठुआ जिले में आतंकियों की मूवमेंट की खुफिया सूचनाएं हैं। रणनीति के तहत सेना ने न सिर्फ नियंत्रण रेखा अपितु ऐसे इलाकों में सुरक्षा पुख्ता की है जहां आतंकियों के घुसपैठ कर कश्मीर जाने के पारंपरिक मार्ग रहे हैं। सूत्रों के अनुसार आर्मी कमांडर जल्द राजौरी का दौरा कर सुरक्षा हालात का भी जायजा लेंगे।

आर्मी कमांडर ने गुलमर्ग स्थित हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल में सैनिकों की प्रशिक्षण गतिविधियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कश्मीर में आर्मी एविएशन स्क्वाड्रनों का दौरा कर आपात हालात का सामना करने की तैयारियां जांची।

## मेट्रो एंकर

## खामेनेई विरोधी माहौल के बीच ट्रंप ने दी ईरान को चेतावनी

# ईरान का ऐसा हश्र करेंगे, जो कभी सोचा नहीं होगा

**वाशिंगटन, एजेंसी**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के नेतृत्व वाले शासन पर तीखा हमला बोला। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के नेता, जो देश में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों से जूझ रहे हैं, उन्होंने मुझसे बातचीत के लिए संपर्क किया है। इसके लिए एक बैठक की तैयारी चल रही है। हालांकि, उन्होंने साफ चेतावनी दी कि हो सकता है कि हमें बैठक से पहले ही कार्रवाई करनी पड़े।

ईरान या उसके सहयोगियों द्वारा संभावित जवाबी कार्रवाई के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि अगर वे ऐसा करते हैं, तो हम उन्हें ऐसे स्तर पर दंडित करेंगे जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं किया होगा।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के सर्वोच्च नेता सैयद अली हुसैनी खामेनेई के नेतृत्व वाले ईरान के नेतृत्व ने इस्लामिक गणराज्य में बड़े पैमाने पर सरकार

विरोधी प्रदर्शनों के बीच सैन्य कार्रवाई की उनकी धमकियों के बाद बातचीत करने के लिए उन्हें फोन किया था।

ट्रंप ने कहा कि अगर ऐसा लगता है कि वे ऐसा करना शुरू कर रहे हैं, और कुछ ऐसे लोगों की हत्या हुई है जिनकी हत्या नहीं होनी चाहिए थी। अगर आप इन्हें नेता कहते हैं तो ये हिंसक हैं। मुझे नहीं पता कि वे नेता हैं या सिर्फ हिंसा के जरिए शासन करते हैं। लेकिन अगर ऐसा करते हैं तो हमें बैठक से पहले कार्रवाई करनी पड़ सकती है।ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन को लेकर ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरान के अंदर की स्थिति के बारे में पल-पल के अपडेट मिल रहे हैं, और हम एक निर्णय लेंगे। वहीं, ईरान या उसके सहयोगियों द्वारा संभावित जवाबी कार्रवाई के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, ट्रंप ने स्पष्ट चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर वे ऐसा करते हैं, तो हम उन्हें ऐसे करारा जवाब देंगे जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं दिया होगा। उन्हें इस पर विश्वास भी नहीं होगा।

### अमेरिका में सेना के साथ मीटिंग का दौर... हो रहा विरोध

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जहां खुले तौर पर ईरानी प्रदर्शनकारियों के समर्थन और कार्रवाई के संकेत दे रहे हैं, वहीं अमेरिका की सेना में इस पर गंभीर मंथन चल रहा है। सवाल यह नहीं है कि अमेरिका कदम उठाएगा या नहीं, बल्कि यह है कि कब और किस हद तक। इसी बीच ट्रंप को अमेरिकी सेना ने वही जवाब दिया है जो कभी सैम मानेकशॉ ने इंदिरा गांधी को कहा था। ये घटना इतिहास के उसे चर्चित मोड़ की याद दिलाता है, जिससे बांग्लादेश बना। यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों की मदद करने का मन बना लिया है। हालांकि अभी यह तय नहीं हुआ है कि यह मदद किस रूप में होगी और कब दी जाएगी। सूत्रों के अनुसार ट्रंप प्रशासन के भीतर बीते कुछ दिनों से लगातार बैठकों का दौर चल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने मूल रूप से यह फैसला कर लिया है कि अमेरिका ईरानी प्रदर्शनकारियों के साथ खड़ा होगा, लेकिन तरीका और समय अभी तय नहीं है।

**ईरान में अमेरिका क्या-क्या कर सकता है?:** शनिवार को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान आजादी की ओर देख रहा है और अमेरिका मदद के लिए तैयार है। इसके बाद अमेरिका में चर्चाएं तेज हो गईं। इन चर्चाओं में कई विकल्प रखे गए हैं, जिनमें सीधे सैन्य हमले से लेकर साइबर अटैक, इंटरनेट सपोर्ट और स्टारलिंक जैसी सैटेलाइट सेवाएं उपलब्ध कराने तक के सुझाव शामिल हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
**स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564